संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 68
पृष्ठ 8
मंगलवार
26 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– नॉर्मल डिलीवरी के बाद.... विचार– अब कनाडा भी बना.... खेल– गाबा के बाद पर्थ में .....

मतदाता, संविधान, विश्व समुदाय की आशा पर खरे उतरें सांसद– प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से पहले विपक्ष से जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा विश्व समुदाय की आशाओं पर खरा उतरने का आह्वान करते हुए अपील की कि उनके व्यवहार से मतदाता, लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संविधान के प्रति उनका समर्पण और संसदीय प्रक्रियाओं में उनके विश्वास की सार्थक अनुगूंज बाहर जानी चाहिए।

श्री मोदी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा " शीतकालीन सत्र है और माहौल भी शीत ही रहेगा। 2024 का यह अंतिम कालखंड चल रहा है, देश उमंग और उत्साह के साथ 2025 के स्वागत की तैयारी में भी लगा हुआ है। संसद का ये सत्र अनेक प्रकार से विशेष है। सबसे बड़ी बात है कि हमारे संविधान की यात्रा का 75वें साल में प्रवेश अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है। जैसे–जैसे 2024 करीब आ रहा है, देश जोश और उत्साह से भर गया है और बेसब्री से 2025 का स्वागत करने की तैयारी कर रहा है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संसदीय सत्र कई मायनों में खास है, जिसमें सबसे अहम पहलू हमारे संविधान की 75वीं वर्षगांठ है। यह हमारे लोकतंत्र के लिए एक गौरवशाली मील का पत्थर है। कल संविधान सदन में सब मिलकर संविधान के 75वें वर्ष के उत्सव की शुरुआत करेंगे।

उन्होंने कहा " संविधान निर्माताओं ने संविधान का निर्माण करते समय एक एक बिंदु पर बहुत विस्तार से बहस की है और तब जाकर ऐसा उत्तम दस्तावेज हमें प्राप्त हुआ है। हमारे संविधान की महत्वपूर्ण इकाई हैं – संसद और हमारे सांसद। संसद में स्वस्थ बहस होनी चाहिए और चर्चाओं में अधिकतम और उचित भागीदारी होनी चाहिए। लेकिन,दुर्भाग्य से कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संसद को भी मुट्ठीभर लोगों की हुड़दंगबाजी से संसद को कंट्रोल करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। हालांकि उनकी रणनीति अंततः विफल हो जाती है, जनता उनके व्यवहार पर बारीकी से नजर रखती है और समय आने पर सजा भी देती है।"

उन्होंने कहा कि समस्या नये सांसदों के लिये हो रही है उनके अधिकारों को कुछ लोग दबोच लेते हैं। लोकतंत्र में हमारा कर्तव्य है कि हम आने वाली पीढ़ियों को तैयार करें। लेधकिन 80 से 90 बार जनता द्वारा नकार दिये गये लोग जनता की आकांक्षाओं पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा " मैं बार–बार विपक्ष के साथियों से आग्रह करता रहा हूं और कुछ विपक्षी साथी भी चाहते हैं कि सदन में सुचारू रूप से काम हो। लेकिन जिनको जनता ने लगातार नकारा है, वे अपने साथियों की बात को भी नकार देते हैं और उनकी एवं लोकतंत्र की भावनाओं का अनादर करते हैं।"

उन्होंने कह्हा कि आज विश्व भारत की तरफ बहुत आशा भरी नजर से देख रहा है। इसलिए हमें संसद के समय का उपयोग वैश्विक स्तर पर भी भारत के बढ़े हुए सम्मान बल प्रदान करने में करना चाहिए। श्री मोदी ने कहा " ऐसे अवसर, जो आज हमें मिले हैं, विश्व मंच पर भारत के लिए दुर्लभ हैं और हमें इनका भरपूर लाभ उठाना चाहिए। भारत की संसद से यह संदेश निकलना चाहिए कि देश के मतदाता, लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संविधान के प्रति उनका समर्पण और संसदीय प्रक्रियाओं में उनका विश्वास सार्थक है और हमें इस अवसर पर आगे आना चाहिए।"

संसद के शीतकालीन सत्र में शामिल होंगे इंजीनियर राशिद?

नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से सांसद इंजीनियर राशिद ने सोमवार को संसद सत्र में भाग लेने के लिए आतंकी फंडिंग मामले में अंतरिम जमानत की मांग करते हुए दिल्ली की एक अदालत का रुख किया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विमल कुमार यादव ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को राशिद की याचिका पर 27 नवंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा। तिहाड़ जेल से अदालत में वर्चुअली पेश हुए इंजीनियर राशिद ने कहा कि मुझे मेरे लोगों ने चुना है। मुझे पिछले सत्र में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई थी। मैं आपसे हाथ जोड़कर अनुरोध करता हूं कि मुझे अंतरिम जमानत दी जाए। कार्यवाही के दौरान, राशिद और एनआईए के वकील ने संयुक्त रूप से मामले की सुनवाई अदालत में ही रहने और इसे किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित नहीं करने की मांग की। अदालत 27 नवंबर को दोनों पक्षों की आगे की सुनवाई करेगी। इस बीच, अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) ने शनिवार को संसद सदस्यों से साथी सांसद और पार्टी प्रमुख शेख अब्दुल रशीद की रिहाई के लिए आवाज उठाने की अपील की। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, एआईपी के उपाध्यक्ष जीएन शाहीन ने कहा कि राशिद उर्फ घ्घ्इंजीनियर राशिद को 5 अगस्त, 2019 को, जिस दिन अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया था कि दिल्ली बुलाया गया और झूठे और निराधार आरोपों के तहत हिरासत में लिया गया। कार्यवाही के दौरान, राशिद और एनआईए के वकील ने संयुक्त रूप से मामले की सुनवाई अदालत में ही रहने और इसे किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित नहीं करने की मांग की। अदालत 27 नवंबर को दोनों पक्षों की आगे की सुनवाई करेगी।

लोकसभा-राज्यसभा बुधवार तक स्थगित, अदाणी केस-संभल हिंसा मुद्दे पर विपक्ष का जोरदार हंगामा

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में जबरदस्त हंगामा हुआ। दोनों ही सदनों में अमेरिका में अदाणी के खिलाफ लगे आरोपों और यूपी के संभल में हुई हिंसा को लेकर चर्चा की मांग की गई। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया।

आखिरकार दोनों ही सदनों को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। बताया गया है कि राज्यसभा में विपक्ष ने मणिपुर हिंसा और केरल के वायनाड में आई आपदा को लेकर भी स्थगन प्रस्ताव दिए थे। हालांकि, इन मुद्दों पर चर्चा नहीं हो पाई। इस बीच विपक्षी सांसदों ने भाजपा को संभल हिंसा के मुद्दे पर घेरा। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव और कुछ अन्य पार्टी सदस्यों ने इस दौरान जोर शोर से अपनी बात रखने की कोशिश की। इस दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी खड़े दिखाई दिए। अन्य विपक्षी दलों के सदस्य भी विभिन्न मुद्दों को उठाने का प्रयास कर रहे थे। विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों ही सदनों में शून्यकाल एवं प्रश्नकाल नहीं हो पाए। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जॉन ब्रिटास, कांग्रेस के नीरज डांगी, प्रमोद तिवारी और अखिलेश प्रसाद सिंह और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह समेत कई सदस्यों ने अदाणी समूह के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों पर चर्चा की मांग को लेकर नोटिस दिए।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

संविधान से धर्मनिरपेक्ष–समाजवाद शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली। संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। ये याचिकाएं पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य के द्वारा दायर की गईं थी। गौरतलब है कि साल 1976 में पारित हुए संविधान संशोधन के तहत धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद जैसे शब्दों को जोड़ा गया था। बीते शुक्रवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका को खारिज करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि श्इस याचिका पर विस्तार से सुनवाई करने की जरूरत नहीं है।श सीजेआई ने कहा कि श्समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द 1976

में संविधान संशोधन के जरिए जोड़े गए थे और इनसे 1949 में अपनाए गए संविधान पर कोई फर्क नहीं पड़ता। बता दें कि 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संवैधानिक संशोधन करके संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द शामिल किए थे। इस संशोधन के बाद प्रस्तावना में भारत का स्वरूप संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्यश से बदलकर श्संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य हो गया था। सुनवाई के दौरान अपनी दलील देते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता विष्णु कुमार जैन ने नौ–न्यायाधीशों की संविधान पीठ के एक हालिया फैसले का हवाला दिया। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 39(बी) पर 9 जजों की पीठ के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने समाजवादी शब्द की उस व्याख्या पर असहमति जताई जिसे शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी ने प्रतिपादित किया था। इस पर सीजेआई खन्ना ने कहा कि भारतीय संदर्भ में हम समझते हैं कि भारत में समाजवाद अन्य देशों से बहुत अलग है। हम समाजवाद का मतलब मुख्य रूप से एक कल्याणकारी राज्य समझते है। कल्याणकारी राज्य में उसे लोगों के कल्याण के लिए खड़ा होना चाहिए और अवसरों की समानता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने 1994 के एसआर बोम्मई मामले में धर्मनिरपेक्षता को संविधान की मूल संरचना का हिस्सा माना था। वकील जैन ने आगे तर्क दिया कि संविधान में 1976 का संशोधन लोगों को सुने बिना पारित किया गया था क्योंकि यह आपातकाल के दौरान पारित किया गया था।

सीएम योगी का फिर जनता दरबार– गोरखपुर में सुनीं 300 लोगों की समस्याएं,बोले–

हर समस्या का कराएंगे समाधान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि किसी को भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं।

सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे। एक–एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर सीएम योगी ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। सोमवार प्रातःकाल शिवावतारगुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद सीएम योगी मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने गोवंश के बीच समय बिताया और गोसेवा की।

गोसेवा के दौरान उन्होंने सितंबर माह में आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल (पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के दो गोवंश भवानी और भोलू को खूब दुलारा तथा अपने हाथों से उन्हें चारा (बरसीम) खिलाया। मुख्यमंत्री ने अन्य गोवंश को भी खूब दुलारने के बाद उन्हें गुड़ खिलाया और गोशाला के भी कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए। मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान सीएम योगी जब भीम सरोवर पर पहुंचे तो वहां बतखों का समूह विचरण कर रहा था। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से चारा खिलाकर बतखों पर भी स्नेह बरसाया।

महाकुम्भ 2025: श्रद्धालुओं की इच्छा होगी पूरी, बोतल बंद गंगाजल उपलब्ध कराएंगी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुम्भ में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का प्रशासन का अनुमान है। त्रिवेणी के तट पर आने आने वाले हर श्रद्धालु की ख्वाहिश होती है कि वह यहां के त्रिवेणी का पावन जल लेकर वापस घर जाएं। महाकुम्भ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की इस ख्वाहिश को देखते हुए प्रदेश की योगी सरकार अब रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन में ही त्रिवेणी का जल उपलब्ध कराएगी। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की इसकी जिम्मेदारी दी गई है। पुण्य

भूमि प्रयागराज की पहचान है यहां का तीन पावन नदियों का वह संगम जहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का मिलन होता है। इसी वजह से यहां के इस पवित्र जल का विशिष्ट महत्व है। माघ मेला, कुम्भ और महाकुम्भ में यहां लोग स्नान करने आते हैं और अपने साथ संगम का जल ले जाते हैं। महाकुम्भ में अधिक भीड़ होने के चलते बड़ी संख्या में लोगों को त्रिवेणी का पावन जल नहीं मिल पाता है। लेकिन इस बार महाकुम्भ में श्रद्धालुओं को इसके लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। शहर के सभी बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर बोतल बंद और कलश में त्रिवेणी का जल उपलब्ध होगा। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं इस जिम्मेदारी को निभाएंगी। उपायुक्त एनआरएलएम राजीव कुमार सिंह बताते हैं कि महाकुम्भ को देखते हुए यह विशेष व्यवस्था सरकार के निर्देश पर की जा रही है। महाकुम्भ से पहले प्रयागराज में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड व धार्मिक स्थानों पर गंगाजल उपलब्ध कराएंगी। उपायुक्त एनआरएलएम राजीव कुमार सिंह के मुताबिक स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने की दिशा में यह स्टार्ट अप शुरू किया जा रहा है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन एक हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को इसके लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन महिलाओं को रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड व अन्य धार्मिक स्थानों पर गंगाजल की बिक्री का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अगर इन महिलाओं का काम अच्छा रहा तो इनकी संख्या भी बढ़ाई जाएगी। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर भी बनेंगी। इसका पूरा खाका तैयार किया जा चुका है। रेल और परिवहन विभाग के अधिकारियों से भी इसे लेकर समन्वय स्थापित किया जा रहा है। त्रिवेणी का जल धातु से बने कलश और बोतलों में होगा जिसे खूबसूरत और सुरक्षित आधार प्रदान करने के लिए मूंज की डिजाइनर डलियां तैयार की गई हैं। प्रयागराज के एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) मूंज को इसके लिए खास तौर पर चुना गया है। नैनी के महेवा गांव मूंज के उत्पाद बनाने वाली महिलाओं ने इसके लिए डिजाइनर डलियां बनाई हैं। यह त्रिवेणी का जल एक लीटर,आधा लीटर और 250 मिली के पैकिंग में होंगी । इससे जिले के ओडीओपी की ब्रांडिंग भी होगी।

महाकुंभ 2025: आग से बचाव के लिए अग्निशमन विभाग ने जारी किए दिशा निर्देश, श्रद्धालुओं को किया जा रहा जागरूक

प्रयागराज। हर बार की तरह इस बार भी महाकुंभ को सुरक्षित और फायर फ्री बनाने के लिए अग्निशमन विभाग उत्तर प्रदेश ने कमर कस ली है। विभाग ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। अग्निशमन विभाग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एनिमेटेड वीडियो और सेफ्टी टिप्स के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहा है। इन वीडियोज में महाकुंभ में आग से बचाव के उपायों को सरल भाषा में समझाया गया है। प्रयागराज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी और महाकुंभ के नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि अग्निशमन विभाग ष्बचाव ही हमारा कर्तव्य हैष थीम के तहत कार्य कर रहा है। हर वीडियो में ष्आपकी समझदारी है सुरक्षा आपकी और हमारीष टैगलाइन को प्रमोट किया जा रहा है। अग्निशमन विभाग का लक्ष्य है कि इस महाकुंभ में कोई भी आगजनी की घटना न हो और श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में धार्मिक अनुष्ठान कर सकें। विभाग ने अपील की है कि आग लगने की स्थिति में तुरंत 100 या 1920 नंबर पर सूचना दें।

एटीएम कैश ट्रे में छेड़छाड़ कर निकाले 24 हजार रुपये

प्रयागराज। जानसेनगंज स्थित यूनियन बैंक के एटीएम के कैश ट्रे में क्लिप लगाकर 24 हजार रुपये निकाल लिए गए। यह रकम 27 अक्तूबर से 16 नवंबर के बीच कई बार में निकाली गई। मैनेजर ने सीसीटीवी फुटेज में दिखे दो युवकों पर केस दर्ज कराया है। कटघर निवासी भारत केशरी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की जानसेनगंज शाखा के मैनेजर हैं। उनका आरोप है कि जानसेनगंज स्थित आशा कंपनी के सामने बैंक का एटीएम है। इसमें अराजक तत्वों ने छेड़खानी कर 24 हजार रुपये निकाल लिए। एटीएम में कैश मिलान करने पर इसकी जानकारी हुई। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि दो युवक एटीएम के कैश डिस्पेंसर से छेड़खानी कर रुपये निकाले। वहीं, पुलिस जांच में पता चला है कि कैश डिस्पेंसर में क्लिप फंसाकर पहले नकदी की निकासी बाधित की जाती है। इस पर रुपये निकालने के लिए आया युवक तकनीकी गड़बड़ी मानकर लौट जाता है। इसके बाद आरोपी क्लिप निकालकर रुपये निकाल लेते हैं। कोतवाली प्रभारी रोहित कुमार तिवारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के जरिये दोनों आरोपियों को पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

कई बूथों पर बसपा प्रत्याशी को मिला सिर्फ एक वोट

प्रयागराज। पिछले तीन चुनावों के मुकाबले फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में बसपा का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। बसपा प्रत्याशी जितेंद्र कुमार सिंह को कई बूथों पर सिर्फ एक तो कई बूथों पर केवल दो वोट ही मिल सके। बूथ नंबर 33 पर कुल 357 वोट पड़े, जिनमें से बसपा उम्मीदवार को केवल एक वोट मिला, जबकि भाजपा के दीपक पटेल को इसी बूथ पर 231 व सपा के मुज्तबा सिद्दीकी को 105 वोट मिले। वहीं, बूथ नंबर 69 पर 323 मतों में बसपा प्रत्याशी को एक, भाजपा को 207 और सपा को 107 वोट मिले। बूथ नंबर 97 में पड़े 397 मतों में बसपा को एक, भाजपा को 254 व सपा को 129 वोट मिले। इसके अलावा भी बसपा प्रत्याशी को कई बूथों पर केवल एक वोट मिला लेकिन ऐसे बूथों पर भाजपा सबसे आगे रही। आंकड़े बता रहे हैं कि बसपा के ज्यादातर वोट भाजपा के खाते में गए, क्योंकि इन बूथों पर बसपा के सबसे खराब प्रदर्शन के बावजूद सपा प्रत्याशी दूसरे नंबर पर ही रहे। इसके अलावा कुछ बूथों पर बसपा को सपा से ज्यादा वोट मिले। बूथ नंबर 168 पर बसपा को 176, भाजपा को 304 व सपा को 57 वोट ही मिले। कुछ बूथों पर बसपा को भाजपा व सपा से अधिक वोट मिले। बूथ नंबर 186 पर बसपा को 129, भाजपा को 101 व सपा को 37 मत प्राप्त हुए। वहीं, कुछ बूथों पर बसपा और भाजपा में टक्कर दिखी। उदाहरण के तौर पर बूथ संख्या 194 पर बसपा को 144 से भाजपा को 162 वोट मिले जबकि सपा 42 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रही। इसी तरह बूथ नंबर 192 पर बसपा को 160 व भाजपा को 154 वोट मिले जबकि सपा प्रत्याशी 254 मतों के साथ पहले स्थान पर रहे। बूथ नंबर 200 पर तो बसपा और भाजपा के प्रत्याशी काफी पीछे रहे। इस बूथ पर बसपा व भाजपा को केवल पांच–पांच वोट ही मिल सके, जबकि सपा प्रत्याशी को 277 वोट मिले। इस बूथ पर सपा पहले नंबर पर रही।

पीएम मोदी की अगवानी के लिए निषादराज ने वाराणसी से किया प्रस्थान, मेले की शोभा बढ़ाएगा क्रूज

प्रयागराज। निषादराज क्रूज को भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ने अपने कब्जे में लेकर वाराणसी से प्रयागराज की ओर रवाना कर दिया है। साथ ही इसके इंतजाम के लिए लगी टीम को तत्काल प्रभाव से सक्रिय भी कर दिया है। अत्याधुनिक सुविधाओं वाले इस क्रूज को रिसीव करने के लिए कस्तूरबा समेत दो वीआईपी वाहन बाकायदा नैनी ब्रिज के पीछे तैनात कर दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को महाकुंभ की नव्यता और भव्यता का दिव्य एहसास कराना चाहती है। इसी के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस बार का महाकुंभ अभी तक के सभी कुंभ से ज्यादा अलौकिक होने जा रहा है। पहली बार संगम क्षेत्र में निषादराज की उपस्थिति इसका उदाहरण है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले प्रयागराज के लिए वाराणसी से निकल चुका है। निषादराज क्रूज को भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने अपने कब्जे में लेकर वाराणसी से प्रयागराज की ओर रवाना कर दिया है। साथ ही इसके इंतजाम के लिए लगी टीम को तत्काल प्रभाव से सक्रिय भी कर दिया है। अत्याधुनिक सुविधाओं वाले इस क्रूज को रिसीव करने के लिए कस्तूरबा समेत दो वीआईपी वाहन बाकायदा नैनी ब्रिज के पीछे तैनात कर दिए गए हैं। मेला प्राधिकरण के साथ वाराणसी प्रशासन मिलकर तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। देश–दुनिया की नजर इस समय महाकुंभ पर टिकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी कार्यक्रम यहां 13 दिसंबर को प्रस्तावित है। श्रृंगवेरपुर धाम में भगवान राम और निषादराज की प्रतिमा का पीएम मोदी अनावरण करेंगे। इसके बाद वे अत्यधिक सुविधाओं वाले निषादराज क्रूज पर सवार होकर अरैल से संगम तक आएंगे। यहां पीएम मोदी मां गंगा को प्रणाम कर संगम स्नान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। उसके बाद गंगा आरती की योजना बनाई गई है, जिसके बाद बड़े हनुमान मंदिर और अक्षयवट का भी दर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसके साथ ही परेड स्थित सभा स्थल पर देश दुनिया के जाने–माने संतों से मुलाकात करेंगे। अपर मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि अत्याधुनिक सुविधाओं वाले निषादराज क्रूज को वाराणसी से प्रयागराज लाने में कोई दिक्कत ना हो, इसके लिए सभी पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। क्रूज को लेकर मेला प्राधिकरण और वाराणसी प्रशासन के बीच लगातार कोआर्डिनेशन हो रहा है। वाराणसी प्रशासन ने क्रूज को प्रयागराज की ओर रवाना कर दिया है। विशेष सुविधाओं वाले लग्जरी क्रूज निषादराज के जल्द ही प्रयागराज पहुंचने की संभावना है। अभी यह वाराणसी और प्रयागराज के बीच स्थित सीतामढ़ी तक पहुंच चुका है। देश विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए यह क्रूज विशेष तौर पर रोमांचकारी साबित होगा। इसे निकलने के लिए कम से कम 100 फीट का रास्ता जरूरी होता है। इसलिए क्रूज को यहां तक आने में रास्ते में कोई रुकावट न आने पाए, इसके इंतजाम किए जा रहे हैं। निषादराज क्रूज के साथ एक और बड़े जहाज को लगाया गया है, जो इसे यहां तक लाने में मदद कर रहा है।

रजिस्ट्री करा रही महिला के 59 लाख रुपये ले भागा बिचौलिया, फाफामऊ के गोहरी की घटना

प्रयागराज। गोहरी गांव के पास जमीन की रजिस्ट्री कराकर लौट रही महिला से 59 लाख की लूट की सूचना पर पुलिस हलकान रही। आरोप है कि जमीन का सौदा कराने वाला बिचौलिया रास्ते में चकमा देकर नकदी भरा झोला लेकर भाग निकला। हालांकि, पुलिस लूट की बात को गलत बताती रही और बताया कि पीड़ित ने लेनदेन के विवाद की सूचना दी है। अनुराधा पटेल पुत्री पवन कुमार मूलरूप से भदरी फाफामऊ की रहने वाली हैं। 18 साल पहले माता–पिता की हत्या के बाद से ही वह सोरांव अपने ननिहाल में रहती हैं। सूत्रों का कहना है कि मलाक हरहर के पास स्थित 14 बिस्वा जमीन का उसने एक सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी से दो करोड़ रुपये में सौदा तय किया था। इस सौदे में खिदिरपुर मुरादपुर सोरांव का रहने वाला एक व्यक्ति बिचौलिया है। शनिवार को महिला ने सोरांव तहसील में बैनामा कर दिया। सौदे की कुल रकम में से 59 लाख रुपये नकद, जबकि शेष रकम उसे खाते में प्राप्त हुई। नकदी लेकर वह बिचौलिये व एक रिश्तेदार के साथ घर जाने लगी। महिला व उसका रिश्तेदार बिचौलिये की ही फॉरच्यूनर कार में सवार थे। आरोप है कि गोहरी गांव के पास अचानक बिचौलिया उसका नकदी से भरा झोला छीनने लगा। शोर मचाने पर झोला छीनकर कार से कूदकर भाग निकला। आसपास के लोग जुटे और फिर थोड़ देर बाद महिला के सूचना देने पर पुलिस पहुंच गई। देर रात तक बिचौलिये की तलाश की जाती रही। इस मामले में पुलिस देर रात तक कोई तहरीर न मिलने की बात कहती रही। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि लेनदेन को लेकर विवाद की बात सामने आई है। महिला ने यही सूचना भी दी थी। नकदी लेकर भागने या लूट जैसी कोई भी शिकायत उसने नहीं की है।

फूलपुर में बीजेपी की हैट्रिक, दीपक ने सपा के मुजतबा को 11305 मतों से हराया, BSP की जमानत जब्त

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा उपचुनाव जीतने के साथ ही भाजपा यहां हैट्रिक लगाने में सफल रही। पार्टी उम्मीदवार दीपक पटेल ने सपा के मुजतबा सिद्दीकी को 11305 मतों से शिकस्त दी। दीपक के खाते में 78289 मत आए। जबकि, मुजतबा 66984 मत ही पा सके। बसपा के जितेंद्र कुमार सिंह को 20342 वोट मिले और वह जमानत तक नहीं बचा सके। मतगणना के दौरान भाजपा और बसपा एजेंटों के बीच जमकर मारपीट हुई। इसमें सपा के कई एजेंट भी शामिल रहे। दीपक पटेल व उनके भाई दिनेश की बसपा प्रत्याशी जितेंद्र कुमार सिंह के भाई अनूप सिंह के साथ भी हाथापाई हुई। इसमें इन्हें चोटें भी आई हैं। इससे 20 मिनट तक मतगणना रुकी रही। डीएम की चेतावनी के बाद स्थिति नियंत्रण में आई। मुंडेरा मंडी परिसर में शनिवार सुबह आठ बजे मतगणना शुरू हुई और नौ बजे तक रुझान आने लगे थे। मुजतबा ने पहले में 352 मतों की लीड बनाई, लेकिन दूसरे राउंड में दीपक पटेल आगे हो गए। छठे और 10वें राउंड में सपा को अधिक वोट मिले, लेकिन मुजतबा दीपक से पीछे ही रहे। इसी तरह से 15 से 18 के बीच हर राउंड में सपा को अधिक वोट मिले, लेकिन भाजपा की लीड बरकरार रही। हालांकि, भाजपा की लीड काफी कम हो गई थी। इससे समर्थकों की धड़कनें बढ़ गई थीं। हालांकि, इसके बाद सिर्फ एक राउंड रहा जब सपा उम्मीदवार को अधिक वोट मिले। अन्यथा, दीपक पटेल की लीड बढ़ती ही गई और 78289 वोट हासिल कर 11305 मतों के अंतर से जीत हासिल की। भाजपा के प्रवीण पटेल ने 2017 और 2022 में लगातार दो बार जीत हासिल की थी। इस तरह से इस सीट पर भाजपा लगातार तीसरी जीत हासिल करने में सफल रही। वहीं, सपा के मुजतबा सिद्दीकी की इस सीट पर लगातार दूसरी बार हार हुई है। 2022 के विधानसभा चुनाव में वह भी सपा टिकट पर चुनाव लड़े थे। उन्हें प्रवीण पटेल ने 2732 मतों के अंतर से हराया था। आजाद समाज पार्टी के साहिद खां 4449 वोट पाकर चौथे स्थान पर रहे। वहीं, कांग्रेस से बगावत करके चुनाव लड़ने वाले सुरेश चंद्र यादव को मात्र 1389 वोट मिले। अपना दल कमेरावादी के दिलीप कुमार को मात्र 1068 वोट मिले। चुनाव में कुल 1,77,535 मतदाताओं ने वोट डाले। इनमें से 260 वोट पोस्टल से पड़े। इनमें से 21 वोट निरस्त हो गए। इस तरह से कुल 1,77,514 वैध वोट पड़े। भाजपा और बसपा अभिकर्ताओं के बीच मारपीट की घटना को छोड़कर मतगणना शांतिपूर्वक ढंग से हुई। हालांकि, भाजपा के समर्थन में बीच–बीच में नारेबाजी होती रही। मतगणना के दौरान प्रेक्षक भी मौजूद रहीं। डीएम रविंद्र कुमार मांदड़, डीसीपी गंगापार अभिषेक भारती समेत अन्य भ्रमण करते रहे। मतगणना के दौरान स्ट्रॉन्ग रूम के आसपास के साथ मुंडेरा मंडी परिसर के बाहर भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

बिखरने लगी सनातन की छटा, तीन संन्यासी अखाड़ों की धर्म ध्वजा हुई स्थापित, मातृशक्ति को मिला स्थान

प्रयागराज। प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ 2025 में आस्था और सनातन धर्म के विविधा रंग निखरने लगे हैं। सनातन धर्म के शिखर संन्यासियों के तीन अखाड़ों ने एक ही दिन में महा कुम्भ क्षेत्र में अपनी अपनी अखाड़े की धर्म ध्वजा स्थापित की। अखाड़ा क्षेत्र में अखाड़ों के संतो की मौजूदगी से दिव्य और भव्य कुंभ की अनुभूति जीवंत हो गई। प्रयागराज में त्रिवेणी के तट पर आस्था की अलौकिक दुनिया आकार लेने लगी है। सीएम योगी के निर्देश पर महाकुंभ की तैयारियों में आई तेजी से महाकुंभ का आकर्षण अखाड़ा क्षेत्र सबसे पहले गुलजार होने लगा है। शनिवार को अखाड़ा क्षेत्र में तीन संन्यासी अखाड़ों ने प्रशासन द्वारा आवंटित भूमि में अपनी धर्म ध्वजा स्थापित कर दी। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा और उसके भ्राता अखाड़े कहे जाने वाले श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े और अग्नि अखाड़े के संन्यासियों ने पूरे विधिविधान के साथ अपने अपने अखाड़ों के इष्ट का आवाहन कर अपनी धर्म ध्वजा महाकुंभ क्षेत्र में फहरा दी। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतर्राष्ट्रीय संरक्षक महंत हरि गिरी का कहना है तीनों संन्यासी अखाड़ों की परंपरा में समान हैं बस इष्ट देवता भिन्न हैं, इसलिए तीनों अखाड़ों की धर्म ध्वजा एक ही तिथि को स्थापित हुई है। अखाड़ों के इस विशिष्ट आयोजन में मातृ शक्ति को भी पूरा स्थान और सम्मान दिया गया। अखाड़ा क्षेत्र में महिला संतों की श्री पंच दशनाम जूना संयासिनी अखाड़ा की धर्म ध्वजा भी स्थापित हुई। अखाड़े की महामंडलेश्वर दिव्या गिरी जी का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी जी के समय से मातृ शक्ति को विशिष्ट सम्मान मिल रहा है। एक दौर था जब महिला संयासिनी संतों के लिए अखाड़ा क्षेत्र में माईवाड़ा बनता था लेकिन अब हमारे लिए जूना अखाड़ा के अंदर ही श्री पंच दशनाम जूना संयासिनी अखाड़ा का शिविर लग रहा है। इस अखाड़े ने सिर्फ मातृ शक्ति को स्थान मिलेगा । महाकुम्भ क्षेत्र में तीन संन्यासी अखाड़ों के अलावा श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अनुगामी किन्नर की धर्म ध्वजा भी शनिवार को स्थापित हुई। किन्नर अखाड़े की महा मंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी और उनके अखाड़े की सैकड़ों सदस्यों की मौजूदगी में किन्नर अखाड़े ने धर्म ध्वजा स्थापित की। अखाड़ा क्षेत्र में संतो के अलख संप्रदाय के साधुओं की धर्म ध्वजा भी स्थापित हुई।

आईपी एड्रेस से दोनों एजेंटों तक पहुंची पुलिस, फिर हुआ खुलासा

प्रयागराज। कैबिनेट मंत्री के सीए से 2.08 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा गिरोह के दोनों एजेंटों के आईपी एड्रेस से हुआ। दरअसल, दोनों ने विजय के माध्यम से बरेली वाले खाते का नेटबैंकिंग कस्टमर आईडी व पासवर्ड ले लिया था और इसी के

जरिये पूरी रकम ठिकाने लगाई। जांच में पता चल गया कि उनके ही आईपी एड्रेस से खाता एक्सेस किया गया, जिस पर उन्हें दबोच लिया गया और फिर खुलासा हो गया। पुलिस के मुताबिक, खाताधारक संजीव लुब्रिकेंट कंपनी का संचालक है। उसने पूछताछ में बताया कि उसके साले सुरजीत ने पांच फीसदी कमीशन का लालच देकर उससे खाते का कस्टमर आईडी व पासवर्ड ले लिया था। साथ ही इसे अपने दोस्त विजय को दे दिया था। उसने यह भी कहा कि विजय ने खाते का एक्सेस किसे दिया, वह नहीं जानता। यही बात उसके साले सुरजीत ने भी बताई। पुलिस ने विजय से पूछा तो उसने दोनों एजेंटों दिव्यांशु व पुलकित का नाम तो बताया लेकिन उनका पता नहीं बता सका। इसके बाद पुलिस ने खाते का डिटेल निकाला तो पता चला कि ठगी के कुल 65 लाख रुपये नेटबैंकिंग से अलग–अलग कई खातों में ट्रांसफर की गई। जांच के क्रम में ही उन दो इंटरनेट कनेक्शन के आईपी एड्रेस मिले, जिनसे नेटबैंकिंग एक्सेस किया गया। इसके बाद पुलिस ने डिवाइस और उस नंबर का पता लगाया जिससे इंटरनेट चलाया जा रहा था और इस तरह दोनों एजेंटों को पकड़ा गया तब मामले का खुलासा हुआ।

दो दिन में 15 हजार से अधिक कायस्थ बने केपी ट्रस्ट के सदस्य

प्रयागराज। कायस्थ पाठशाला (केपी) ट्रस्ट ने दो दिनों में 15 हजार नए सदस्य बनाकर ट्रस्ट के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। दो दिवसीय सदस्यता अभियान रविवार को पूरा हो गया। जो इस अभियान में शामिल नहीं हो सके, वे ट्रस्ट कार्यालय से फॉर्म लेकर आवेदन कर सकते हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार सिन्हा की पहल पर 100 रुपये में सदस्य बनाने का अभियान शुरू किया गया। इसके लिए केपी कम्युनिटी हॉल में दो दिन के लिए विशेष शिविर लगाया गया। इसमें 15 हजार से अधिक कायस्थों ने सदस्यता ली। फॉर्म प्राप्त और जमा करने के लिए पांच काउंटर बनाए गए थे, जिन पर सुबह से शाम तक लंबी लाइन लगी रही। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व सदस्यता प्रभारी अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि शाम पांच बजे तक 15,600 फॉर्म दिए गए। सदस्यता के लिए प्रयागराज के साथ आसपास के जिले से भी लोग केपी कम्युनिटी हॉल पहुंचे। फॉर्म समाप्त होने के कारण जिन लोगों को फॉर्म नहीं मिल सके, वे केपी ट्रस्ट कार्यालय से फॉर्म ले सकते हैं। फॉर्म वितरण और जमा करने की प्रक्रिया जारी रहेगी। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार सिन्हा ने कहा कि सभी नए सदस्यों को भी ट्रस्ट के चुनाव में मतदान के अधिकार के साथ सभी सुविधाओं का लाभ मिलेगा। अभियान के सफल संचालन में महामंत्री वीर कृष्ण श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. केपी श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष निशीथ वर्मा, अजय श्रीवास्तव, सुधांशु श्रीवास्तव, प्रवीण श्रीवास्तव और गोपी कृष्ण श्रीवास्तव का सहयोग रहा।

स्वच्छ- सुरक्षित और प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ के सारथी बनेंगे गंगा सेवादूत

प्रयागराज। महाकुंभ को स्वच्छ, सुरक्षित और प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प पूरा करने के जतन शुरू हो गए हैं। रविवार को गंगा सेवादूतों के प्रशिक्षण की शुरूआत हुई। इसके लिए 1800 गंगा सेवादूत प्रशिक्षित किए जाएंगे। यह गंगा सेवादूत महाकुंभ में स्वच्छता, सैनिटेशन, टेंटेज की कार्ययोजना, आग और अन्य आपदाओं से बचाव का काम करेंगे। प्रशिक्षण 29 नवंबर तक जिला पंचायत सभागार में चलेगा। सीएम योगी के स्वच्छ और सुरक्षित महाकुम्भ के संकल्प को सफल बनाने में गंगा सेवादूत अहम भूमिका निभाएंगे। प्रशिक्षण के बारे में विशेष कार्याधिकारी आकांक्षा राना ने जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि 250–250 के बैच में गंगा सेवादूत प्रशिक्षित किये जाएंगे। पहले गंगा सेवा दूतों का पंजीकरण किया जाएगा। इसके बाद उन्हें सैनिटेशन निरीक्षण, टेंट सिटी की कार्य योजना, आईसीटी सिस्टम और अग्नि सुरक्षा का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। गंगा सेवा दूत विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किए जाएंगे। इसके लिए मॉक ड्रिल भी कराया जाएगा। सैनिटेशन का प्रशिक्षण डॉ. आनंद सिंह और अग्निशमन का प्रमोद कुमार शर्मा देंगे।

पीसीएस परीक्षा के बाद आरओ/एआरओ को लेकर फिर बढ़ेगा दबाव

प्रयागराज। प्रतियोगी छात्र 22 दिसंबर को प्रस्तावित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा की तैयारियों में जुट गए हैं। परीक्षा के बाद उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीपीएससी) पर आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा पर निर्णय लेने का दबाव बढ़ेगा। आयोग ने मामले में कमेटी का गठन किया है। रिपोर्ट के आधार पर आयोग को निर्णय लेना है। जून–2024 को जारी गाइडलाइन में केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया को सख्त किए जाने से उपजे विवाद ने आयोग को भी चौतरफा घेर लिया है। आयोग के सामने भी इस समस्या से बाहर आने की चुनौती है। गाइडलाइन के अनुसार किसी परीक्षा के लिए अगर पांच लाख या इससे अधिक अभ्यर्थी आवेदन करते हैं तो परीक्षा कई पालियों में आयोजित की जाएगी। अगर आयोग शासन की गाइडलाइन के अनुरूप परीक्षा केंद्रों निर्धारण करता है तो भी उसे प्रदेश भर में केवल 978 केंद्र ही मिल पा रहे हैं, जिनमें 435074 अभ्यर्थियों की परीक्षा ही कराई जा सकती है। पीसीएस परीक्षा के केंद्र निर्धारण में यह जानकारी सामने आई थी। ऐसे में अगर आयोग की किसी परीक्षा के लिए साढ़े चार से पांच लाख तक अभ्यर्थी आवेदन करते हैं तो भी परीक्षा एक पाली में करा पाना आयोग के लिए मुश्किल होगा। पीसीएस परीक्षा को तो विशिष्ट श्रेणी में रखते हुए शासन ने केंद्र निर्धारण के नियम शिथिल कर दिए लेकिन आयोग की अन्य परीक्षाएं विशिष्ट श्रेणी में शामिल नहीं हैं। आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा के लिए 1076004 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। शासन की गाइडलाइन से रास्ता निकालते हुए परीक्षा एक दिन में कैसे कराई जाए और नॉर्मलाइजेशन लागू न करना पड़े, इस पर मंथन के लिए आयोग ने एक कमेटी का गठन किया है। इस बीच अभ्यर्थियों के साथ आयोग भी 22 दिसंबर को प्रस्तावित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा की तैयारियों में जुट गया है। पीसीएस परीक्षा एक दिन में कराने के लिए परीक्षा केंद्रों की लिस्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। परीक्षा के बाद आयोग पर आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा लेने का दबाव बढ़ेगा। सूत्रों का कहना है कि कमेटी जल्द ही अपनी रिपोर्ट आयोग को सौंप देगी।

वीरपुर पठखौली,शुक्लपुर के बच्चें बने क्रीड़ा प्रतियोगिता के ओवरअश्ल चौंपियन.

उरुवा की ब्लॉक स्तरीय बालक्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन। बैदौली संकुल के बच्चें प्रतियोगिता में उपविजेता होने का गौरव प्राप्त किया।

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय विद्यालयों के उरुवा ब्लॉक की ६ ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता ६ प्राथमिक विद्यालय चोरबना,उरुवा के खेल मैदान पर बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुई। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उरुवा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि भोला गौतम ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करने के पश्चात फीता काटकर खेल प्रारंभ करने के विधिवत घोषणा की। ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी राजेश यादव ने मुख्य अतिथि को बुके, अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। परिषदीय विद्यालय के बच्चों के द्वारा माँ सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा ब्लॉक के स्काउट गाइड के बच्चों द्वारा बनाये गए उनके टेंट का अवलोकन किया गया और उन्होंने स्काउट गाइड के बच्चों को उनकी काबिलियत के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता में ब्लॉक के सभी न्याय पंचायत की विजेता टीम के लगभग 300 छात्र व छात्रा खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में भाग किया। ब्लॉक व्यायाम शिक्षक उरुवा व क्रीड़ा प्रभारी मानिक सिंह तथा सभी खेल अनुदेशकों की देखरेख में सुचिता पूर्ण ढ़ंग से क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रतियोगिता में 50, 100, 200 व 400 मीटर की दौड़ और गोला फेंक, डिस्कस थ्रो, लंबी कूद, ऊची कूद, योगासन, कबड्डी, खो–खो जैसी प्रतियोगिताएं बालक व बालिका वर्ग के लिए प्राथमिक व जूनियर स्तर पर अलग–अलग आयोजित की गई। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि उरुवा ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी राजेश यादव ने ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता की ओवरऑल चौंपियन विजेता ट्रॉफी शुक्लपुर संकुल के उच्च प्राथमिक विद्यालय वीरपुर पठखौली के बच्चों को प्रदान की। वहीं ओवरऑल उपविजेता ट्रॉफी बैदौली संकुल के संविलियन विद्यालय लोहारी के बच्चों को प्रदान की। संस्कृतिक कार्यक्रम में बैदौली संकुल के संविलियन विद्यालय चौकी की टीम विजेता हुई। वहीं स्काउट गाइड में उच्च प्राथमिक विद्यालय नरवर चौकठा,औता के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन कर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया तथा योगासन व पीटी. प्रतियोगिता संविलियन विद्यालय ओनौर के बच्चें विजेता हुए। वहीं कबड्डी जूनियर बालक वर्ग में शुक्लपुर प्रथम व लोहारी द्वितीय और बालिका वर्ग में लोहारी प्रथम व रामनगर द्वितीय तथा कबड्डी प्राथमिक बालक वर्ग में बैदौली प्रथम व शुक्लपुर द्वितीय और बालिका वर्ग में बैदौली प्रथम व शुक्लपुर द्वितीय स्थान प्राप्त की। प्रतियोगिता के खो–खो जूनियर बालक वर्ग में शुक्लपुर विजेता व लोहारी उपविजेता हुई और बालिका वर्ग में भी शुक्लपुर विजेता और रामनगर उपविजेता हुई तथा खो–खो प्राथमिक बालक वर्ग में शुक्लपुर विजेता व लोहारी उपविजेता तथा बालिका वर्ग में लोहारी विजेता व शुक्लपुर उपविजेता होने का गौरव प्राप्त की। प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय सीगारों, औता, अकोढ़ा, रामनगर व लेहड़ी के बच्चों ने भी विभिन्न खेलों में विजेता व उपविजेता होने का गौरव प्राप्त किया है। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष विनोद शुक्ला ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का बैच लगाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल सचांलन पूर्व ए.बीआरसी एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामसागर मिश्रा ने किया। ब्लॉक के राष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी मुकेश शुक्ला ने मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा राजेश यादव को स्मृति चिन्ह भेंट की। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि बीईओ उरुवा द्वारा ब्लॉक के सभी एआरपी सुनील शुक्ला, राजेश मिश्रा, प्रीतम दास व विमलेश यादव को उनके द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट कार्य के लिए स्मृति चिन्ह भेंट की। वहीं निर्णायक मंडल में मुकेश शुक्ला, अर्जुन सिंह, चंद्रशेखर भारतीया, ध्यान सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह, मधुबाला पटेल, शबनम खा, प्रीति कुमारी, उदय सिंह व जितेंद्र कुमार और रंगोली टीम में ज्योति चौरसिया, स्तुति श्रीवास्तव, ज्योति बाजपेयी, रेनू सिंह व सोनम वर्मा को खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा ने पुरस्कार स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंटकर उन्हें पुरस्कृत किया। उक्त अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि चोरबना मदन मोहन मिश्रा, प्राथमिक शिक्षक संघ के मंत्री संदीप पांडेय, ग्राम प्रधान चोरबना मानिक चंद्र मिश्रा, पुष्कर द्विवेदी, दिवाकर दत्त मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, राजेश कोलहा, बृजेश यादव, संजय कुमार, संतोष यादव, प्रतिभा अवस्थी, अखिलेश दुबे, संतोष दुबे, राकेश यादव, दीपक गुप्ता, रामइकबाल राम, ओम प्रकाश द्विवेदी, अजीत तिवारी, पंकज वर्मा, चित्रपाल सिंह, नीरज श्रीवास्तव, साजिया तसनीम, अभिलाष मिश्रा, बृजचंद द्विवेदी, सुरेंद्र कुमार व प्रदीप तिवारी आदि शिक्षक व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आजाद और लक्ष्मीबाई दल बने संयुक्त विजेता:

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित श्री बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बराबर अंक पाकर

आजाद दल और लक्ष्मीबाई विजेता रहे। इस दौरान सरदार पटेल दल,आजाद दल,भगत सिंह और रानी लक्ष्मीबाई दल के बीच लगभग डेढ़ घंटे तक चली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों से 60 प्रश्न पूछे गए। सात–सात अंक पाकर आजाद और लक्ष्मीबाई दल संयुक्त विजेता बने।भगत

सिंह दल को चार और सरदार पटेल दल को छह अंक प्राप्त हुए। प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कहा कि प्रबंधक जी के दिशा निर्देश पर सभी बच्चों के बीच चार ग्रुप बनाकर इस तरह क्विज सामान्य ज्ञान,रंगोली,भाषण,लोकगायन आदि प्रतियोगिताएं अनवरत आयोजित की जाती रहेंगी। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों के बीच उनकी मेधा के परीक्षण के साथ–साथ विभिन्न विषयों में जानकारी बढ़ाने की अभिरुचि बढ़ेगी और आगे की कक्षाओं के लिए अच्छा अभ्यास भी होगा। शिक्षक हरिशंकर तिवारी स्कोरर के रूप में मौजूद रहे।वहीं प्रवक्ता जितेंद्र कुमार और मोहम्मद परवेज सिद्दीकी ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन किया। इस मौके पर प्रवक्ता प्रदीप कुमार,जगतपाल,विजय सिंह,सुधा सिंह समेत शिक्षक,कर्मचारी और बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

भयहरण नाथ धाम में वार्षिक अधिवेशन 5 दिसंबर को

प्रशासनिक कार्यालय के जीर्णोद्धार हेतु प्रबन्ध समिति का जन संपर्क व संवाद अभियान शुरू

बैंक खाते में ही हो सकेगा सहयोग , सहयोगियों का नाम शिलापट्ट पर होगा अंकित

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में गत वर्षो की भाँति 5 दिसंबर को वार्षिक अधिवेशन का आयोजन होगा। वहीं धाम के प्रशासनिक परिसर स्थित प्रशासनिक कार्यालय के जीर्णोद्धार हेतु रविवार को पदाधिकारियों ने नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के वार्ड पूरे तोरई में सघन रूप से जन संपर्क व संवाद अभियान की शुरुवात की। सभी के जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से प्रशासनिक कार्यालय के पुनरोद्धार कार्य हेतु सभी से आवाहन किया गया।

धाम के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व महासचिव समाज शेखर के मार्गदर्शन में कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह व उपाध्यक्ष वित्त एवं लेखा राजीव नयन मिश्र तथा उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह के संयोजन में धाम के प्रशासनिक कार्यालय के

जीर्णोद्धार में सभी के सहयोग व भागीदारी हेतु अभियान चलाकर जन संपर्क व संवाद अभियान की शुरुवात हुई। इस संबंध में प्रबन्ध समिति की ओर से महासचिव समाज शेखर द्वारा सभी सदस्यों, पदाधिकारियों तथा संरक्षको एवं उपसमितियो को पत्र जारी कर भागीदारी की अपील की गई है। जिसके लिए नियम भी तय किया गया है की प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के बैंक खाते में ही सहयोग दिया व लिया जायेगा। नियमानुसार रुपये पांच हजार या इससे अधिक सहयोग करने वाले व्यक्तित्व का नाम कार्य के उपरांत शिलापट्ट पर अंकित किया जायेगा। अन्य सहयोगियों का उल्लेख पुस्तक में प्रकाशित होगा। महाशिवरात्रि व २५ वें महाकाल महोत्सव से पूर्व जरूरी कार्य संपादित किया जाना व्यापक जनहित मे प्रस्तावित है। महासचिव समाज शेखर ने अवगत कराया है की गत वर्षो की भाँति 5 दिसंबर को धाम में सभी प्रकार के सदस्यों की भागीदारी से वार्षिक अधिवेशन का आयोजन दोपहर १२ बजे से ४ बजे के बीच २ सत्रों में आयोजित होगा। संबंधित जन प्रतिनिधियो व अधिकारियों को मार्गदर्शन व सहयोग हेतु आमंत्रित किया गया है। अधिवेशन में सामयिक चर्चा के साथ साथ वार्षिक कार्ययोजना का निर्धारण किया जायेगा। पूरे तोरई मे चलाये गए जन संपर्क व संवाद अभियान में प्रमुख रूप से लाल चंद्र जौहर, अजब नारायण पांडेय, शिवमूर्ति मिश्र, सुरेंद्र सिंह, फूल चंद्र पटेल, शिव गोविंद शर्मा, सूरज मिश्र, धर्मेंद्र पटेल, शत्रुघ्न सिंह, मनीराम वर्मा व तेज प्रताप सिंह आदि ने प्रतिभाग किया।

के पी ट्रस्ट मे दो दिवसीय मेघा सदस्यता अभियान सम्पन्न

दो दिन मे 15000 से उपर कायस्थ बने ट्रस्ट के सदस्य

के पी ट्रस्ट ने रचा इतिहास 15000 हजार कायस्थो का हुआ मिलन

नए सदस्यो ने अध्यक्ष डॉ सुशील को किया आभार

अब कायॉलय से भी फामॅ मिलता रहेगा : अरूण श्रीवास्तव उपाध्यक्ष सदस्यता प्रभारी

प्रयागराज सबिरोध और समथॅन के बीच आम कायस्थो को 100 रू मे सदस्य बनाने का अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा की मुहिम अब दो दिवसीय मेघा सदस्यता अभियान आज समाप्त हो गया अभियान के दूसरे दिन कम्यूनिटी हाल मे रविवार होने के कारण मेला जैसा माहौल सुबह दस से शाम पाँच बजे तक बना रहा कायस्थो ने सदस्यता अभियान मे बढ चढकर हिस्सा लिया । आज दूसरे दिन शाम पाँच बजे तक 15000 कायस्थ सदस्य बने । इस दो दिवसीय मेघा सदस्यता अभियान मे कुल 15000 हजार से उपर कायस्थो ने के पी ट्रस्ट की सदस्यता ली । के पी ट्रस्ट ने रचा इतिहास इस अभियान मे 15000 कायस्थ का हुआ मिलन । आज सुबह दस बजे से ही आम कायस्थो का सदस्यता फामॅ लेने और जमा करने का सिलसिला जो शुरू हुआ वह शान पाच बजे तक जारी रहा । के पी कम्यूनिटी हाल मे सदस्यता फामॅ देने और जमा करने के कुल पांच स्टाल लगायी गयी थी इन सभी स्टालो पर सुबह से शाम तक लाइन लगी हुई थी । के पी कम्यूनिटी हाल मे मेले जैसा स्थिती बनी रही । नए बनने वाले सदस्यो मे उत्साह दिखी । इस सदस्यता अभियान के शुरूआत किया तथा पूरे दिन सदस्यता अभियान के देखरेख स्वमं ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा महामंत्री बीर कृष्ण श्रीवास्तव एम एलसी तथा पूवॅ अध्यक्ष डॉ के पी श्रीवास्तव उपाध्यक्ष निशीथ वर्मा अजय श्रीवास्तव सुधाशुं श्रीवास्तव उपाध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव उपाध्यक्ष गोपी कृष्ण श्रीवास्तव उपाध्यक्ष तथा ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी सदस्यता अभियान को संचालित कर रहे थे । सदस्यता फामॅ लेने वाले तथा जमा करने वाले प्रयागराज के अलावा प्रयागराज के आस पास जनपदो से भी कायस्थ सदस्य बनने के पी कम्यूनिटी हाल पहुँचे । के पी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष तथा सदस्यता प्रभारी अरूण श्रीवास्तव ने बताया कि शाम पाच बजे 15600 फामॅ विभिन्न स्टालो से दिया चुका है फामॅ समाप्त होने के कारण जिन लोगो को फामॅ नही मिल पाया है । वह प्रतिदिन के पी ट्रस्ट कायॉलय से फामॅ ले सकते फामॅ वितरण और जमा करना लगातार जारी रहेगा । वही दूसरी ओर सदस्यता अभियान के पहले दिन और दूसरे दिन आम कायस्थो के उमडी जन सैलाब से उत्साहित ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने कहाँ कि 100 मे बनने वाले सभी सदस्यो को वोटिंग अधिकार के साथ साथ सभी सुविधाओ का लाभ मिलेगा । इस अवसर सदस्यता अभियान बढ चढ कर हिस्सा लेने के लिए कायस्थ समाज तथा आम कायस्थो को अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा महामंत्री बीर कृष्ण श्रीवास्तव एम एलसी तथा पूवॅ अध्यक्ष डॉ के पी श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव उपाध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव उपाध्यक्ष सुधाशुं श्रीवास्तव उपाध्यक्ष तथा सदस्यता प्रभारी अरूण श्रीवास्तव पवन श्रीवास्तव मिडीया प्रभारी तथा अमित कुमार श्रीवास्तव प्रशासन प्रभारी के पी ट्रस्ट लखनऊ आदि बधाई दी तथा समाज के प्रति आभार ब्यक्त किया ।

संभल का बवाल सरकार और हिंदुत्ववादियों की ओर से प्रायोजित था : भाकपा

लखनऊ(यूएनएस)। विधानसभा चुनावों और उपचुनावों में विभाजनकारी हिन्दुत्व की राजनीति के माध्यम से अपने पक्ष में परिणाम आने से उत्साहित भाजपा और उसके मुख्यमंत्री ने राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से सांप्रदायिक विभाजन को और गहरा करने को ही संभल में उकसावे की कार्यवाही कराई जिसमें 4 लोग मारे गये और अनेक घायल हुये हैं। इस शर्मनाक घटना के लिये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की इच्छानुकूल काम करने वाला प्रशासन भी पूरी तरह जिम्मेदार है। न्यायपालिका द्वारा कांड की जिम्मेदारी निर्धारित की जानी चाहिये और जनता के सामने सच लाकर दोषियों को माकूल सजा दी जानी चाहिये। संभल में साजिशन भड़काई गई हिंसा पर प्रतिक्रिया जताते हुये भाकपा राज्य सचिव मण्डल ने कहा कि सरकारी तंत्र और सरकार के पिट्ठू चौनलों ने सारा दोष अल्पसंख्यक समुदाय के ऊपर मढ़ दिया है और पत्थरबाजी को मुख्य मुद्दा बना कर असल घटनाचक्र पर पर्दा डाला जा रहा है। गौर करने की बात यह है कि वे मुट्ठी भर लोग कौन हैं जो हिन्दुओं के हितैषी बन कर जगह जगह विवाद भड़काने के लिये मस्जिदों को प्राचीन मंदिर बता कर विवाद खड़ा कर अदालतों का दरवाजा खटखटाते हैं। क्या इन्हें सरकार का संरक्षण प्राप्त नहीं हैं? यदि नहीं तो उन पर सांप्रदायिक उकसाबे की धाराओं के तहत अभियोग दर्ज क्यों नहीं किया जाता।

नव दोहा कलश और जर्द मौसम का सफर पुस्तकों पर हुई परिचर्चा

कवियों ने बहाई काव्य की रसधार

प्रयागराज। सद्भावना मंच प्रयागराज के बैनर तले आज 25 नवम्बर 2024 दिन सोमवार को हिन्दुस्तानी अकादमी के गाँधी

सभागार प्रयागराज में डा अजय मालवीय की पुस्तक जर्द मौसम का सफर और पंडित राकेश मालवीय मुस्कान की पुस्तक नव दोहा कलश का मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी, अध्यक्ष रविनन्दन सिंह, विशिष्ट अतिथि जाहिद अबरोल, वीरेन्द्र पाठक, अजामिल व्यास तथा आयोजक योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु ने संयुक्त रूप से विमोचन किया। इसके पूर्व अतिथियों ने माँ वीणापाणि के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में रविनन्दन सिंह ने कहा कि साहित्य का शिल्प और कार्यक्रम का शिल्प एक होना चाहिए। गजल कहना एक सलीका है। इसका पैटर्न समझना जरूरी है। राइटर्स बहुत हैं आर्टिस्ट कम। साहित्य की कोई सरहद नहीं होती। मनुष्य पर लिखना ही मानवता है। इस अवसर पर महापौर श्री गणेश केसरवानी ने कहा कि यह भारत भूमि चिन्तन की भूमि है। प्रयागराज से डॉक्टर अजय मालवीय बहार और राकेश मालवीय मुस्कान की पुस्तकें साहित्य परम्परा की एक कड़ी है। मैं स्वयं साहित्य का प्रेमी हूँ। साहित्य को जीने की परंपरा प्रयागराज का गौरव है। यह एक उत्कृष्ट यज्ञ जैसा है। उन्होंने शहर में बन रही ब्रह्मा की मूर्ति की चर्चा की। कवि ही प्रेम के द्वारा वैश्विक युद्ध तक को काट सकता है। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में एक कवि गोष्ठी में उमेश श्रीवास्तव, रचना सक्सेना, सुशान्त चट्टोपाध्याय, शम्भुनाथ श्रीवास्तव, डॉक्टर रामलखन चौरसिया, असलम आदिल, योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु, डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय, डॉक्टर अजय मालवीय बहार इलाहाबादी, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, मंजू प्रकाश, गीता सिंह, मिली श्रीवास्तव, विमला व्यास, इंदु जौनपुरी, कवि कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, आदि ने बहुत सुंदर काव्य पाठ के साथ मंच को रोमांचित किया। कार्यक्रम का संचालन एम एस खान ने किया। इस अवसर पर पूर्णिमा मालवीय, आकांक्षा मालवीय, श्रेया मालवीय, प्रेया मालवीय, केतन और मुदित मालवीय सहित तमाम लोग शामिल थे। पूरा हाल खचाखच भरा रहा। धन्यवाद ज्ञापन शम्भुनाथ श्रीवास्तव ने किया।

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

शहर समता प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन,प्रयागराज में महाप्रबंधक श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी की अध्यक्षता में दिनांक 25.11.2024 को क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। महाप्रबंधक ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि संगठन में दिन–प्रतिदिन के सरकारी कामकाज में निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में अनदेखी न हो, यह सुनिश्चित करना हम सबका दायित्व है। इसलिए मैं आप सबसे आग्रह करता हूं कि आप अपने–अपने कार्यालयों में राजभाषा नीति को प्रभावी तरीके से लागू करते हुए अपने संवैधानिक उत्तरदायित्व का निर्वाह ठीक तरह से करें। उन्होंने कहा कि कोर, प्रयागराज में स्थित है जो कि हिंदी का गढ़ है। यहां सभी अधिकारीध्कर्मचारी हिंदी जानते हैं। अतरू यहां के लोगों

को हिंदी में काम करने में कोई कठिनाई नहीं है। इसलिए राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें। जिससे वार्षिक कार्यक्रम के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करते हुए संगठन हिंदी प्रयोग के शिखर पर पहुंचे। मेरा आग्रह है कि आप सभी फाइलों तथा पत्राचार में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग बढ़ाएं। इससे पहले मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री यतेन्द्र कुमार ने अध्यक्ष (महाप्रबंधक) सहित सभी उपस्थित अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमारे संगठन में राजभाषा का काफी प्रयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में कोई भी भाषा वैज्ञानिक, सूचना प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी विषयों से जुड़े बिना पनप नहीं सकती है। इसलिए कंप्यूटर, ई–मेल तथा वेबसाइट में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग बढ़ाने की आवश्यकता है।
इस अवसर पर महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिका विद्युत वीथिका का विमोचन किया और कहा कि राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन से निश्चित रूप से संगठन में हिंदी का प्रयोग–प्रसार बढ़ेगा ।बैठक में मुख्यालय के विभागाध्यक्ष श्री वी.के.गर्ग, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक, श्री आर.एन.सिंह,प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर, श्री एस.पी.द्विवेदी, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, श्री उपेन्द्र कुमार, मुख्य बिजली इंजीनियर (कार्य) तथा कोर मुख्यालय के सभी विभागों के संपर्क अधिकारी (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के प्रतिनिधि के रूप में श्री मकरध्वज मौर्य, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी भी शामिल हुए । बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री कल्ध्याण सिंह ने किया।

सूचना

कार्यालय अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/ विशेष विवाह अधिकारी, प्रयागराज

पत्र संख्या- 895/वाद वि0/विवाह/2024 दिनांक -14 नवम्बर 2024

सार्वजनिक नोटिस अन्तर्गत धारा-5

सुश्री माधुरी मोदनवाल पुत्री श्री विजय मोदनवाल निवासिनी-ग्राम लवाना, भवानीगंज पो0-लवाना, प्रतापगढ़-230141 एवं श्री गौरव कुमार गुप्ता पुत्र श्री त्रिलोकी नाथ निवासी-मजा खास, मेजा प्रयागराज-212302 द्वारा विशेष विवाह अधिनियम-1954 की धारा-05 के अन्तर्गत विवाह करने हेतु इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया गया है। यदि इस विवाह के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति 30 दिन के अन्दर किसी भी कार्यदिवस में अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/
विशेष विवाह अधिकारी,
प्रयागराज।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं आईआरटीएमटीसी / 202425/03 दिनांक : 22.11.2024

ई–निविदा सूचना

प्रधानाचार्य, भारतीय रेलवे रेलपथ मशीन प्रशिक्षण केन्द्र, पोस्ट- सूबेदारगंज, प्रयागराज, के द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 20.12.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: IRTMTC-202425-01	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 2726846.86
कार्यों का विवरण: कार्य अनुसूची और विशेष परिस्थितियों के अनुसार भारतीय रेलवे रेलपथ मशीन प्रशिक्षण केन्द्र, के बिजली एवं इलेक्ट्रानिक्स संयंत्रों का संचालन, अनुरक्षण एवं मरम्मत।	
बयाने की रकम ₹ : ₹ 54500.00	निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : 0.00
कार्य समापन की अवधि : 24 माह	

नोट: - 1. उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर बन्द होने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरर को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी तेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए।5. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर मात्र वृहद प्रसार हेतु अपलोड किया जायेगा। 6. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाना राशि की रकम केवल नेट बैंकिंग या पेमेन्ट गेटवे के माध्यम से ही जमा किया जाना चाहिए। 7. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाईन से सम्पर्क किया जा सकता है। 8. जी. एस. टी. अधिनियम/कानून/नियम/दिशा-निर्देश के सम्बंधित प्रावधान लागू होंगे। 2027/24(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

मौत के सौदागर आनलाइन गेमिंग ऐप

कुछ मशहूर खिलाड़ियों और फिल्मी जानी–मानी हस्तियों की पैसों की हवस इतनी ज्यादा रही कि पहले शराब, पान मसाला से लेकर अन्य वस्तुओं के भ्रामक प्रचार प्रसार में अपनी भागीदारी कर करोड़ों कमाए अब उनके द्वारा गेमिंग ऐप का जिस तरह भ्रमित कर देने वाला प्रचार किया है, उसके बुरे नतीजे साफ दिखने शुरू हो गए हैं। आनलाइन गेमिंग की आड़ में नए तौर–तरीके से सट्टेबाजी हो रही है और उसके शिकार किशोर और युवा ही नही समझदार और सर्विस पेशा लोग भी हो रहे है। आनलाइन गेम की लत उन्हें इस जुए के नए जाल में फंसा रही है। हजारों लोग इस लत में रोज लाखों रुपए गंवा रहे हैं।ऑनलाइन गेमिंग की लत तेजी से बढ़ रही है. आप गूगल पर बस ऑनलाइन गेमिंग में पैसा टाइप करिए उसके बाद जो दिखाई देगा आंखे फटी रह जाएंगी। खेलिए गेम और जीतिए करोड़ों रुपए. हालांकि, एड में बहुत छोटे अक्षरों में ये लिखा रहता है आर्थिक नुकसान भी संभव है। इसके बावजूद सेलीब्रिटीज के भारी–भरकम प्रचार से ऑनलाइन गेमिंग पॉपुलर हो रहा है। लेकिन इसके कारण कितने घर बर्बाद हो रहे हैं। इसका कोई आंकड़ा नहीं। आए दिन समाचार माध्यमों से मिलने वाली जानकारी इस बॉत का संकेत है कि आनलाइन गेंम मौत के सौदागर बनते जा रहे है। वैसे तो पब्लिक प्लेसेस पर सट्टा खेलना कानूनन बैन है. साल 1867 का पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट कहता है और यही नियम ऑनलाइन गेमिम पर भी लागू है। हालांकि भारत में ही कुछ राज्य हैं जहां ऑनलाइन गेमिंग अपराध नहीं है। सिक्किम गोवा, और दमन जैसे स्टेट्स में इसे कानूनी मान्यता है। क्योंकि संविधान ये कहता है कि गेंमिग कई मामलों में राज्य का विषय है। वैसे वैश्विक स्तर पर इंग्लैंड, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोप के कुछ देशों में सट्टेबाजी लीगल है। भारत में भी कई बार इसे लीगल करने की बात उठी है। साल 1966 में सुप्रीम कोर्ट ने रमी और घुड़दौड़ में भी सट्टेबाजी को लीगल करार दिया लेकिन क्रिकेट में सट्टेबाजी गैर–कानूनी है। साल 2022 में केंद्र सरकार ने संसद में ऑनलाइन गेमिंग रेगुलेशन बिल पेश किया, जिसमें फेंटेसी स्पोर्ट्स, ऑनलाइन गेम्स, आदि को रेगुलेट करने की बात की गई थी। यही नही गृह मंत्रालय की सिफारिश पर केंद्र सरकार ने 15 दिसंबर 2023 तक कुल 581 ऐप्स को ब्लॉक किया. इनमें से 174 सट्टेबाजी और जुए वाले ऐप्स थे. जिसमें पबजी, गरेना फ्री फायर भी थे. सट्टेबाजी के लिए इस्तेमाल होने वाले महादेव ऐप के अलावा कई अन्य ऐप पर भी बैन लगाया था। अभी दो दिन पहले सहारनपुर में एसएसपी आवास पर तैनात सिपाही अमित ने रात गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सिपाही मोबाइल पर ऑनलाइन गेम खेलता था। इसमें वह बड़ी रकम हार गया था। उस पर लाखों का कर्ज हो गया था। देनदारी को लेकर वह कुछ दिनों से तनाव में था। सिपाही कौन सा गेम खेलता था, पुलिस जानकारी जुटा रही है। धीरज एक एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं. सैलरी 15000 रुपए है। थोड़ा और कमाने की चाहत में एक दिन उन्होंने मोबाइल पर एक विज्ञापन देखौ.. लेकिन धीरज को सिर्फ पहली लाइन में अपना मतलब सिद्ध होता दिखा. ऐप डाउनलोड की, 200 रुपए लगाए, और पहली ही बार उस दो सौ से हजार रुपए जीत लिए ... फिर क्या ये सिलसिला महीनों चला, हार जीत भी चलती रहा। इसके बाद उसे बेटिंग एप्स का पता चला. वहां भी पैसे लगाने शुरू कर दिए. अच्छे पैसे आने भी लगे, और अमीर बनने के लालच में धीरज ने 15 हजार की नौकरी को लात मार दी. बस वहीं से उल्टा गेम शुरू हुआ. धीरज बताते हैं वो हारते गए और कर्ज बढ़ता गया. लोन ऐप से लोन लेना शुरू कर दिया फिर सब कुछ बर्बाद ही होता रहा। छह साल में 80 लाख रुपए हार चुके धीरज ने 2019 वर्ल्ड कप मैच में इंडिया पर 2 लाख रुपए लगाए. इंडिया हार गई और धीरज ने डिप्रेशन में आत्महत्या के करीब थे। उत्तर प्रदेश के झांसी में नर्सिंग की एक छात्रा का मामला या फिर अलीगढ़ में भी एक लड़के ने ऐसी सट्टेबाजी में हजारों रुपए बर्बाद करने के बाद अपने ही अपहरण की झूठी कहानी रचना, झांसी में टोडी फतेहपुर की छात्रा ने भी दोस्तों के साथ मिल कर वही कहानी दोहराई और अपने ही परिजनों से छह लाख रुपए की फिरौती मॉगने जैसी हजारों हजार घटनाए आए दिन सामने आ रही है।ऐसे हजारों लोग होंगे जो रोज लाखों रुपए गंवा रहे होंगे और जिन पर किसी की नजर नहीं जा पाती। दरअसल, आजकल आनलाइन सट्टेबाजी का चस्का जिस तरह लोगों को लगा है, वह कई भारतीय परिवारों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्सपर्ट लोगों के अनुसार गेम कंपनियां आपकी साइकोलॉजी के हिसाब से साइकोलॉजिकल इंस्टिंक्ट को यूज कर रही हैं और इस मॉडलिंग को यूज करके आपको ट्रैप में फंसा लिया जाता है। मॉडल आपके बिहेवियर पैटर्न को जानते हैं।

अब कनाडा भी बना भारत की परेशानियों का सबब

संजीव ठाकुर

स्वतंत्रता के बाद से ही चीन और पाकिस्तान भारत के लिए स्थाई सिरदर्द बने हुए हैंस पिछले दो दशक से अब कनाडा भी भारत के लिए परेशानी का सबक बन गया है। कनाडा शुरू से खालिस्तानी आतंकवादियों का केंद्र रहा है भारत में खालिस्तानी आतंकवाद को जन्म देने के लिए और भारत को अशांत करने के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई,एस,आई उसे हर तरह की मदद ट्रेनिंग और आर्थिक मदद देता आ रहा है। खालिस्तान के आतंकवादियों को कनाडा के वीजा से पाकिस्तान गए पनाह देकर आतंकवादी गतिविधियों की ट्रेनिंग देता आया है इसके अलावा वह उन्हें फंडिंग भी करता है, कनाडा अपने राजनीतिक हित में आतंकवादियों और पाकिस्तान का अपने देश खुलकर साथ दे रहा है। यह तो कर विदित है कि चीन पाकिस्तान का भी वित्तपोषक है, और चीन से प्राप्त अरबों डॉलर की मदद का बड़ा हिस्सा अपनी सेना के बजट में शामिल करता है और पाकिस्तान आर्मी अपनी खुफिया एजेंसी की मदद से भारत में अन्य आतंकवादी संगठनों के साथ खालिस्तान आतंकवादियों को भी उकसाकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता है। भारत लगातार कनाडा तथा खालिस्तानी आतंकवादियों की गतिविधियों को उजागर कर संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में अपनी आवाज उठाता रहा है पर कनाडा पाकिस्तान और चीन के कान में जून तक नहीं रेंगती है। ड्रैगन एशिया की शांति के साथ वैश्विक शांति के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बना हुआ है फिर चाहे दोस्ती का मामला हो या दुश्मनी का,चीन भारत का परंपरागत दुश्मन है ही और गाहे–बगाहे वह भारत की सीमा पर अतिक्रमण करता रहता है।इसी तरह ड्रैगन अपने छोटे–छोटे मित्र राष्ट्रों को जिनकी वह मदद करता है उनके कई क्षेत्रों में कब्जा जमा चुका है, इसका सबसे बड़ा एवं ताजा उदाहरण श्रीलंका है। श्रीलंका चीन के कारण कंगाली के कगार पर पहुंच चुका था, अब पाकिस्तान की बारी है वह अब बाल्टीस्तान को पाकिस्तान से कई वर्षों के लिए अपनी दी गई उधारी के बदले लीज पर लेने वाला है वह भी पूरी तरह से कंगाल हो चुका है। पाकिस्तान की हैसियत अब चीन से लिए गए कर्जे को वापस करने की रह नहीं गई है कि इन परिस्थितियों में पाकिस्तानी सरकार ने चीन के सामने घुटने टेक दिए हैं, अब पाकिस्तान चीन की हर शर्त मानने को तैयार है। नेपाल तथा बांग्लादेश भी चीन की दादागिरी से त्रस्त हैंस चीन के लिए लद्दाख तथा हिमाचल प्रदेश में घुसपैठ का अनुकूल समय आने वाला है, वर्षा ऋतु तथा ठंड उसके लिए घुसपैठ का अनुकूल समय होता है ।भारत को सीमा पर चीन तथा पाकिस्तान से उसे सावधानी रखनी होगी तब जाकर देश की रक्षा हो सकेगी। अब ड्रैगन का एक ही सिद्धांत है विस्तार वाद और वह भी किसी भी कीमत पर,अब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक डिक्टेटर की तरह चीन के प्रशासन को हंटर से चला रहे है और विदेश नीति में वह अत्यंत लालची, विस्तार वादी हो गया है। चीन पिछले कई दशक से अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को बढ़ाने में लगा हुआ है। और इसी आर्थिक तथा युद्ध कला की शक्ति पर वह कई देशों को अपने कुत्सित इरादों के चलते खुलेआम धमकी भी देने लगा है। इजराइल फिलिस्तीन युद्ध के समय उसने फिलिस्तीन का साथ देते हुए इजरायल तथा अमेरिका को स्पष्ट तौर पर धमकाया था, कि युद्ध यदि आगे बढ़ा और अमेरिका ने इस युद्ध में दखल दिया तो अमेरिका बुरी तरह हार का मुंह देखेगा। चीन के प्रवक्ता ने यह भी कहा था कि इस युद्ध में अमेरिका की मुस्लिम देशों के प्रति उदारवादी मानव अधिकार की नीति कहां अचानक गायब हो गई,ऐसे में इसराइल तथा अमेरिका की चीन खुलेआम खिलाफत करता रहा है। चीन ने मूल रूप से चीन सागर तथा अरब सागर में अपने आप सामरिक बेड़े तथा समुद्री जहाजों को भेजकर वैश्विक स्तर पर अमेरिका फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जापान, मलेशिया, भारत,तथा अन्य पड़ोसी देशों में अशांति तथा भय का वातावरण बना दिया था ।चीन के समुद्री सीमा पर कई देशों की सीमाओं के अतिक्रमण के फल स्वरुप अमेरिका, फ्रांस, जापान तथा भारत इन 4 देशों में चीन के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण क्वाड सम्मेलन पिछले कुछ माह पहले आयोजित किया था। जिसमें इन 4 देशों ने आपसी सहयोग कर अरब चीन तथा प्रशांत महासागर में चीन की दादागिरी तथा विस्तार वादी नीति को नियंत्रण में रखने के लिए अनेक समझौते किए, और इसके पश्चात नौसैनिक संयुक्त अभ्यास भी किए थे, इस नौसैनिक अभ्यास तथा संयुक्त समझौते ने चीन को चौकन्ना कर दिया था। एवं भारत की रूस से पुरानी दोस्ती में खलल डालने का भी प्रयास चीन सरकार द्वारा किया गया,चीन नहीं चाहता है कि रूस अपना वरदहस्त भारत पर रखें। और इसी के चलते उसने लद्दाख की भूमि पर अतिक्रमण करने की कोशिश की थी,पर भारत की सामरिक शक्ति ने उसके इस बाहुबली प्रयास को नेस्तनाबूद कर दिया था। चीन अपनी आर्थिक तथा सामरिक ताकत के बल पर अमेरिका को सीधी टक्कर देने की स्थिति में आ गया है। और वह बाकी देशों को अपने बताए गए निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य करना चाहता है। इस स्थिति में 4 देशों का क्वाड सम्मेलन चीन की सामरिक ताकत के खिलाफ एक सशक्त मुहिम मानी गई है,विगत दिनों चीन ने बांग्लादेश को स्पष्ट धमका कर कह दिया है कि यदि बांग्लादेश क्वाड सम्मेलन के किसी भी देश अथवा समुद्री सीमा पर उनकी मदद करेगा, तो चीन से बुरा कोई नहीं होगा। चीन में भूटान, नेपाल,बांग्लादेश तथा पाकिस्तान की सीमा पर भूमि को आधिपत्य में लेकर अपने कई सामरिक गांव बना लिए हैं,और चीन सागर पर वह अपनी सामरिक गतिविधि तेज कर चुका है। मलेशिया तथा इंडोनेशिया के समुद्री क्षेत्र में वह अतिक्रमण कर चुका है। चीन अपने कुल मिलाकर 18 पड़ोसी देशों की समुद्री सीमा तथा भूमि पर कब्जा जमाने के जुगत में कई जगह अतिक्रमण कर चुका है। वह अपनी विस्तार वादी नीति को आर्थिक समृद्धि एवं सामरिक शक्ति के दम पर पूरे विश्व में अपनी ताकत तथा शक्ति का प्रदर्शन करना चाहता है, बड़े देशों में अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया,इंग्लैंड चीन के सीधे निशाने पर है। वहीं अमेरिका चीन के साथ कई हुए समझौतों को विगत दिनों वर्तमान राष्ट्रपति जो वार्डन के नेतृत्व में बर्खास्त कर चुका है। इससे यह तो स्पष्ट हो गया कि अमेरिकी नवीन प्रशासन चीन की विस्तार वादी नीतियों को भापकर उसका खुला विरोध कर रहा है। और इस विरोध की आग में घी का काम इजराइल फिलिस्तीन युद्ध में अमेरिका द्वारा इजराइल को समर्थन देकर कर दिया। पिछले कई वर्षों से चीन भारत की सैन्य शक्ति को सदैव कम करने तथा उसकी घेराबंदी का प्रयास करता रहा हैस और इसी कोशिश के अंतर्गत वह पाकिस्तान जैसे भारत के दुश्मन देश को परमाणु अस्त्र मिसाइल, आधुनिक तकनीक तथा युद्ध की सामग्री मुहैया कराता रहा है।

सर्दियों का सफर और पहाड़ों की खुशबू

अलका 'सोनी'

सर्दियों की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में धूप की तपिश बदलकर गुलाबी हो चली है। गुनगुनी धूप में रहना मन को भाने लगा है। इस खूबसूरत मौसम में मन करता है कहीं घूमकर आया जाए। जहां पहाड़ों और हरियाली के बीच इस मौसम का आनंद दोगुना हो जाये। फिर भारत में तो पहाड़ियों की लंबी, सुंदर और अद्भुत शृंखलाएं हैं। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत में एक से एक शानदार पहाड़ और हिल स्टेशन हैं। देश की इन्हीं खूबसूरत हिल स्टेशनों में से एक है 'डलहौजी', जो कि हिमाचल प्रदेश में है। कहते हैं कि इस जगह की खूबसूरती से प्रभावित होकर तत्कालीन अंग्रेज अफसर लॉर्ड डलहौजी ने इसे 18वीं सदी में वहां के राजा से खरीद लिया था और उसका नाम, अपने नाम पर ही 'डलहौजी' रख दिया था। हालांकि, यह भी एक मजेदार किस्सा है कि स्वयं लार्ड डलहौजी यहां रहने कभी नहीं आए थे। डलहौजी चंबा घाटी का हिस्सा है। सर्दी के मौसम में यहां बर्फ का आनंद उठाया जा सकता है। यहां दर्जनों ऐसे स्थल हैं जो मन को सुकून देते हैं। यहां आने का सबसे अच्छा समय अप्रैल से जून और अक्तूबर से दिसंबर का होता है। डलहौजी हिमाचल प्रदेश का एक छोटा–सा शहर है, जो यहां आने वाले पर्यटकों के लिए स्वर्ग के समान माना जाता है। यह अपनी प्राकृतिक सुषमा, फूलों, घास के मैदानों, तेज बहाव वाली नदियों, धुंध से घिरे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। अगर आप भी इन सर्दियों में यहां घूमने जाना चाहते हैं तो यहां की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में जान लेना सही होगा३। हिमाचल प्रदेश के डलहौजी के पास हरे–भरे देवदार के पेड़ों से घिरा खज्जियार गांव है, जो इसे अद्भुत सुंदरता प्रदान करता है। यहां स्थित प्राचीन खज्जी नाग मंदिर में शीश नवाने पर हर मन्नत पूरी होती है। यहां पर प्रसिद्ध खज्जियार झील, समुद्र तल से लगभग 1920 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और इसकी मुख्य विशेषता इसके आसपास का खुला घास का मैदान है। इसे स्विट्ज़रलैंड की घाटियों की हूबहू नकल माना जाता है। भारत के स्विट्जरलैंड के नाम से मशहूर यह खूबसूरत गांव आपकी छुट्टियां बिताने के लिए एक बेहतरीन जगह हो सकती है। खज्जियार डलहौजी का एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, जहां लोग पिकनिक मनाने, घुड़सवारी, ट्रैकिंग और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने आते हैं। साथ ही, यहां का मौसम सालभर सुखद रहता है।

मॉल रोड डलहौजी का एक प्रमुख स्थान है, जो शहर के केंद्र में स्थित है। जो शॉपिंग और मनोरंजन के लिए प्रसिद्ध है, जहां आप विभिन्न प्रकार की दुकानें, रेस्तरां और कैफे पा सकते हैं। आप इस जगह से स्थानीय हस्तशिल्प की चीजें और स्मृति चिन्ह खरीद सकते हैं। ठंडी हवाओं और शांत वातावरण के बीच मॉल रोड शाम की सैर के लिए उपयुक्त है। यहां पर आपको स्थानीय हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेने का मौका मिलेगा। यह स्थान डलहौजी के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का केंद्र भी है। 2,700 मीटर से अधिक की ऊंचाई वाली डैनकुंड चोटी डलहौजी की सबसे ऊंची चोटियों में से एक है। आप इस चोटी पर ट्रैकिंग कर सकते हैं और अपने आस–पास की पूरी घाटी और पीर पंजाल पर्वत शृंखला का पूरा दृश्य देख सकते हैं। अगर आपको प्रकृति से प्यार है और डलहौजी में ऐसी जगह ढूंढ़ रहे हैं जहां आप प्रकृति के करीब रह सकें, तो यह आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। डैनकुंड चोटी एक अच्छा ट्रैकिंग एडवेंचर है जिसे आप डलहौजी में शुरू कर सकते हैं। यह चोटी डलहौजी के शहर के केंद्र से केवल 5 किमी दूर है, इसलिए आप उपलब्ध परिवहन का उपयोग करके आसानी से चोटी तक की यात्रा कर सकते हैं। हरे देवदार पेड़ों के आवरण से घिरा एक खूबसूरत झरना है 'पंचपुला'। जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है और इससे दो किलोमीटर दूरी पर ही स्थित है। पंचपुला, यानी ऐसी जगह जहां आप पांच धाराओं को एक साथ देख सकते हैं। यह अपना एक ऐतिहासिक महत्व भी रखता है। पंचपुला के पास ही महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में ये जगह और भी खूबसूरत लगने लगता है। डलहौजी में घूमने लायक कई रमणीय स्थल हैं जहां के नैसर्गिक सौंदर्य का हर कोई मुरीद हो जाता है। डलहौजी के लक्कड़मंडी के समीप स्थित कालाटाप वन्य प्राणी अभयारण्य में पर्यटकों को वन्य प्राणी जीवन को करीब से निहारने के लिए जाना जाता है। यह मानवीय गतिविधियों से लगभग अछूता है। इसलिए आप इस वन्यजीव अभयारण्य में प्रकृति का बहुत करीब से अनुभव कर सकते हैं, जहां जानवर अपने प्राकृतिक आवास में निडर होकर रहते हैं। आपको यहां हरियाली और बर्फ से ढके पहाड़ों का भी आनंद मिलेगा।

खूबसूरत पहाड़ियों और उनसे नीचे गिरती सुंदर जल धाराओं के साथ, यह बहुत मनोरम लगता है। इसलिए, यदि आप डलहौजी घूमने जा रहे हैं, तो कालाटोप वन्यजीव अभयारण्य की यात्रा अवश्य करें। यह आकर्षक वन्यजीव अभयारण्य डलहौजी के शहर के केंद्र से 4 किमी दूर स्थित है। डलहौजी के गांधी चौक से करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर करेलनू मार्ग पर ऐतिहासिक सुभाष बावड़ी स्थित है। स्वतंत्रता सेनानी नेता जी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर इसका नाम पड़ा। यहां के पानी को औषधीय गुणों वाला माना जाता है। इस बावड़ी के स्वास्थ्यवर्धक जल का सेवन करने से आजाद हिंद फौज के गठनकर्ता नेताजी सुभाष चंद्र बोस को क्षय रोग (टीबी) से निजात मिली थी। डलहौजी, दिल्ली से 485 किमी दूर है और यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन पंजाब का पठानकोट है। पठानकोट से उतरकर बस या टैक्सी से आप यहां जा सकते हैं। कांगड़ा रेलवे स्टेशन से 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है डलहौजी। चंडीगढ़ होते हुए कांगड़ा पहुंच सकते हैं। यहां की दूरी चंडीगढ़ से 239 किमी, कुल्लू से 214 किमी और शिमला से 332 किमी है। चंबा यहां से 192 किलोमीटर दूर है। डलहौजी का अपना कोई रेलवे स्टेशन नहीं है। डलहौजी का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन पठानकोट रेलवे स्टेशन है जो डलहौजी से लगभग 80 किमी दूर है। डलहौजी जाने के लिए आप रेलवे स्टेशन के बाहर से आसानी से कैब या बस ले सकते हैं। यात्रा में 3 घंटे से ज्यादा समय नहीं लगना चाहिए। पठानकोट रेलवे स्टेशन भारत के महत्वपूर्ण शहरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है और आप देश के विभिन्न हिस्सों से पठानकोट के लिए सीधी एक्सप्रेस और मेल ट्रेनें प्राप्त कर सकते हैं। डलहौजी का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा हिमाचल प्रदेश का गग्गल हवाई अड्डा है। यह डलहौजी से लगभग 130 किलोमीटर दूर स्थित है। डलहौजी पहुंचने के लिए आपको हवाई अड्डे के बाहर से टैक्सी या बस लेनी होगी। गग्गल हवाई अड्डा, अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नहीं है, इसलिए वहां से सीधे अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें नहीं मिलती। हालांकि, आप गग्गल हवाई अड्डे से आने–जाने के लिए घरेलू उड़ानें आसानी से पा सकते हैं। सड़क मार्ग से डलहौजी जाने के लिए आपके पास अपना वाहन होना चाहिए या फिर दिल्ली या हिमाचल प्रदेश के अन्य हिस्सों से सरकारी बस भी ली जा सकती है। हिमाचल प्रदेश सरकार और हरियाणा सरकार दोनों ही दिल्ली से डलहौजी के लिए बसें चलाती हैं। दिल्ली से डलहौजी पहुंचने में बसें 12 घंटे से भी कम समय लेती हैं और यह दूरी 550 किलोमीटर से ज्यादा है।

विधानसभा के चुनावों के निहितार्थ

उमेश चतुर्वेदी

हर राज्य की अपनी अहमियत है। लेकिन राजनीतिक लिहाज से देखें तो उत्तर प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा महत्व अगर किसी राज्य का है तो वह महाराष्ट्र है। देश की आर्थिक राजधानी इस राज्य की राजधानी है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों के मुकाबले 48 सीटों के साथ दूसरा बड़ा राज्य महाराष्ट्र है। राजनीतिक हलकों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी होने के लिए भारतीय जनता पार्टी सदा विपक्षी निशाने पर रहती है, उस संघ का मुख्यालय भी इसी राज्य में है। इस लिहाज से महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों का असर दूरगामी होना स्वाभाविक है। मराठी मानुष ने जो जनादेश दिया है, उसका असर देश की राजनीति पर तो पड़ेगा ही, अर्थनीति पर भी पड़ेगा। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर भी कई बदलाव नजर आ सकते हैं। देश की राजनीति पर झारखंड के चुनाव नतीजों का भी पड़ना ही है। इसका असर दिखने लगा है। इंडिया गठबंधन की अगुआई राहुल गांधी से छीनने को लेकर आवाज उठने लगी है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से मांग आ भी गई है कि मोदी को चुनौती देने के लिए जरूरी है कि इंडिया गठबंधन की कमान राहुल गांधी की बजाय ममता बनर्जी को दी जाय।

महाराष्ट्र के क्षत्रप शरद पवार को लेकर हाल ही में कहा जाने लगा था कि उनके बिना महाराष्ट्र की सत्ता की कल्पना नहीं की जा सकती। इस धारणा को ढाई साल पहले बीजेपी ने तोड़ दिया था। एकनाथ शिंदे की अगुआई में शिवसेना में टूट हुई और सबसे ज्यादा 104 विधायक होने के बावजूद बीजेपी ने अपने कद्दावर नेता देवेंद्र फणनवीस को शिंदे का सहयोगी बनने के लिए राजी कर लिया। इस सरकार के कार्यकाल में हुआ लोकसभा चुनाव में बीजेपी की अगुआई वाली महायुति को समर्थन नहीं मिला। बीजेपी और शिवसेना–शिंदे– दोनों को लोकसभा सीटों का नुकसान झेलना पड़ा। लेकिन इससे बीजेपी और शिवसेना दोनों ने सीख ली। बीजेपी ने अपने पारंपरिक गढ़ विदर्भ पर फोकस तो किया ही, गैर मराठा वोटरों पर भी अपना ध्यान लगाया। मराठवाड़ा में शिवसेना शिंदे और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पर भरोसा जताया। नतीजा सामने है। पार्टी ने इस बीच एक काम और किया। उसने माझी लड़की बहीण योजना लागू की। इसके तहत 21 से 65 साल तक की उम्र वाली पात्र महिलाओं को पंद्रह सौ रूपए महीने दिए जाने लगे हैं। राज्य की करीब एक करोड़ महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलने लगा है। इसका फायदा महाराष्ट्र की महायुति सरकार को हुआ है। माना जा रहा है कि राज्य की महिलाओं ने महायुति की अगुआई वाली सरकार को अपना समर्थन दिया है।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की तरह कई अन्य राज्य सरकारें महिलाओं को आर्थिक सहयोग देना शुरू कर चुकी हैं। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र के नतीजों के बाद इस चलन को और बढ़ावा मिलेगा। बाकी राज्य सरकारें भी तेजी से इस दिशा में कदम बढ़ाएंगी और महिला वोटरों को रिझाने की कोशिश करेंगी। हालांकि झारखंड में एनडीए का यह फॉर्मूला नहीं चल पाया है। झारखंड की 81 में से 68 सीटों पर पुरूषों की तुलना में साढ़े पांच लाख से ज्यादा महिला वोटरों ने मतदान किया है। बीजेपी वहां के लिए ढाई हजार रूपए की माई सम्मान योजना का प्रस्ताव लेकर आई थी. लेकिन वहां की महिलाओं ने हेमंत सोरेन की गोगो दीदी योजना पर ही ज्यादा भरोसा जताया।

महाराष्ट्र के चुनावों का असर कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति पर भी पड़ सकता है। लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में 13 सीटें जीतकर बड़ा दल बनने के बाद पार्टी ने ग्रेस सबसे बड़ा दल बनकर उभरी। इसके चलते पार्टी में गुरूर दिखने लगा। विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे में पार्टी खुद को सबसे आगे रखने और सहयोगी दलों को पीछे रखने की रणनीति पर काम करने लगी। चुनाव नतीजे आने से पहले ही मुख्यमंत्री पद को लेकर जिस तरह खींचतान सामने आई, उससे साफ था कि कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं था। इसका असर चुनाव नतीजों पर साफ नजर आ रहा है। इसकी तुलना में झारखंड में पार्टी ने हेमंत की सहयोगी की भूमिका में रखा तो वहां के नतीजे अलग तरीके से आए। साफ है कि पार्टी जहां खुद का वर्चस्व रखती है, वहां उसे मुंह की खानी पड़ रही है, लेकिन जहां वह सहयोगी दलों की बैसाखी पर आगे बढ़ने की कोशिश करती है, उसे फायदा होता है। साफ है कि आने वाले दिनों में पार्टी को इस नजरिए से सोचना होगा। महाराष्ट्र के नतीजों से दिल्ली में कुछ महीने बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी उत्साह में होगी। कांग्रेस जहां उसके साथ जाने का दबाव बना सकती है, वहीं आम आदमी पार्टी कुछ और मुफ्तिया वादों के साथ मैदान में मजबूती से उतर सकती है।

महाराष्ट्र के चुनावों में असली उत्तराधिकारी कौन का सवाल भी हावी था। शिवसेना को दोनों धड़े हों या राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों खेमे, सभी खुद को ही असली शिवसेना और असली एनसीपी बता रहे थे। इस चुनाव में बेशक अजित पवार के खेमे की सीटें कम हुई हैं, लेकिन शरद पवार की एनसीपी से उसके ज्यादा ही विधायक जीते हैं। इसी तरह एकनाथ शिंदे की शिवसेना की सीटें बढ़ी हैं, जबकि हिंदुत्ववादी की बजाय सेकुलर चोला धारण करने वाले उद्धव ठाकरे की शिवसेना पिछड़ गई है। अब इन नतीजों के आधार पर अजित पवार की पार्टी असली एनसीपी होने का दावा करेगी तो एकनाथ शिंदे की शिवसेना भी खुद को असली और बाला साहब ठाकरे की असल उत्तराधिकारी बताएगी। ऐसे में शरद पवार और उद्धव ठाकरे के सामने अपनी पार्टियों के वजूद को बचाए रखने का संघर्ष होगा। सत्तावादी राजनीति में विधायक लंबे समय तक सत्ता से दूर नहीं रह सकते। आने वाले दिनों में शरद पवार और उद्धव ठाकरे का विधायक दल टूटे तो हैरत नहीं होनी चाहिए।

शरद पवार का कहना है कि कटेंगे तो बंटेंगे का असर भी महाराष्ट्र के चुनावों में दिखा। बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन के खिलाफ राज्य का 11 फीसद मुस्लिम वोट बैंक एकजुट हुआ। इसकी वजह से हिंदू वोट बैंक महायुति की ओर गोलबंद हुआ। वैसे जानकारों का मानना है कि मराठा आरक्षण की मांग रखने वाले मनोज जरांगे का पहले चुनाव लड़ने का ऐलान करना और बाद में शरद पवार आदि के दबाव में चुनाव से पैर पीछे खींचना भी महायुति की सफलता की वजह बना। इससे मनोज जरांगे की साख कमजोर हुई और मराठा वोटर महायुति की ओर लौट आया, जो लोकसभा चुनाव के दौरान उससे दूर हो गया था।

महाराष्ट्र के नतीजों से महायुति की अंदरूनी राजनीति पर भी असर पड़ने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र को बिहार की राह पर ले चलना नहीं चाहेगी।

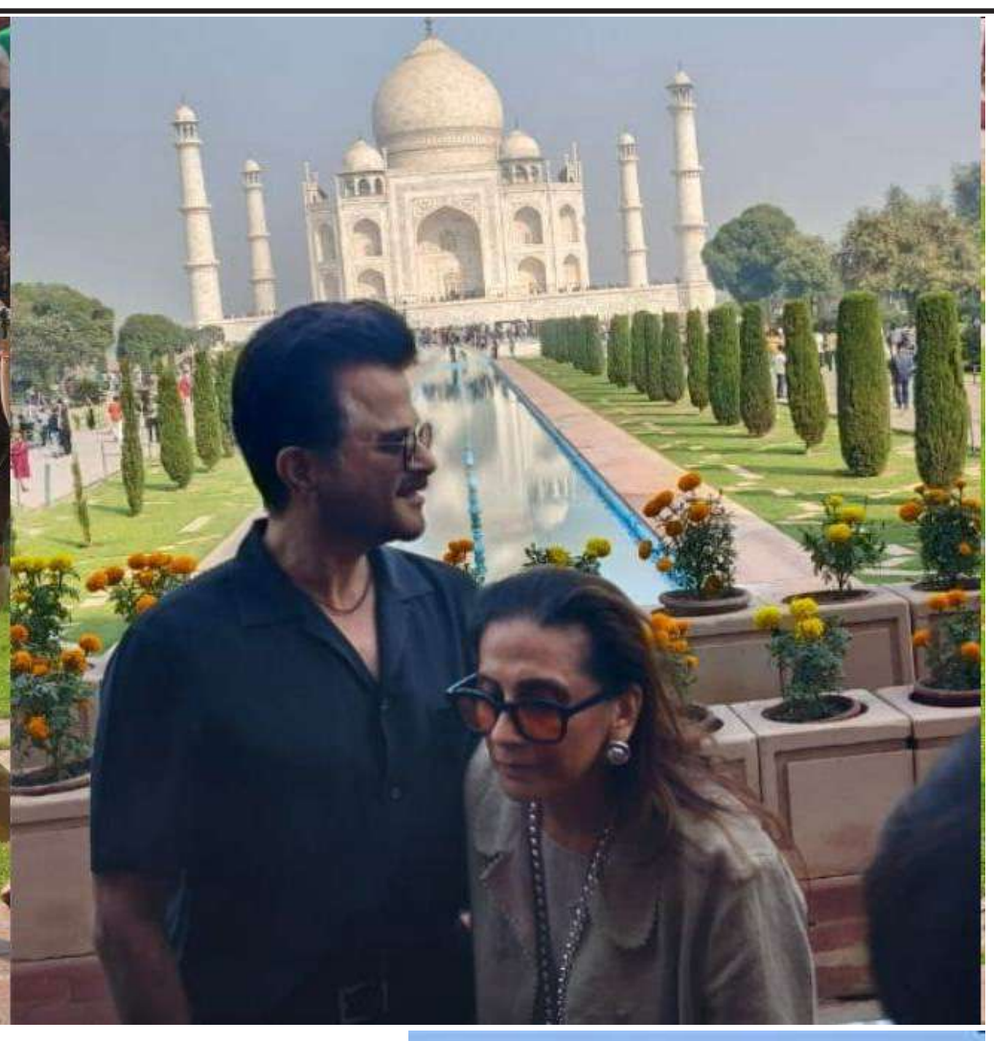

शूटिंग के बीच ताजमहल देखने पहुंचे अनिल कपूर, खूबसूरती देख बोले-वाह ताज

हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता अनिल कपूर रविवार को ताजमहल देखने पहुंचे। वह ब्लैक ड्रेस में ताजमहल के पूर्वी गेट से अंदर दाखिल हुए, और जैसे ही लोग उन्हें देखते हैं, उनकी निगाहें उन पर ठहर गईं। ताजमहल की खूबसूरती देख अनिल कपूर खुद को 'वाह ताज' कहने से नहीं रोक पाए। ताज के सामने खड़े होकर उन्होंने फोटो खिंचवाई और हाथ हिलाकर फैंस का अभिवादन भी किया। रविवार को ताजमहल देखने पहुंचे देशी–विदेशी पर्यटकों को जैसे ही अनिल कपूर को देखते हैं, वे काफी उत्साहित हो गए। हालांकि, कड़ी सुरक्षा के कारण फैंस उनके साथ फोटो नहीं ले पाए, लेकिन वे दूर से ही उन्हें देखकर खुश हुए और अपने मोबाइल फोन में अभिनेता की तस्वीरें कैद कर लीं। अनिल कपूर और उनकी टीम ने ताजमहल के पास फोटो खिंचवाए और इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती की सराहना की। उन्होंने कहा कि ताजमहल भारत की सबसे खूबसूरत इमारतों में से एक है। इसके आर्किटेक्चर और डिजाइन के बारे में भी अनिल कपूर ने जानकारी ली और उसकी तारीफ की। अनिल कपूर इन दिनों आगरा में अपनी फिल्म सूबेदार की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म के कई सीन आगरा के अलग–अलग लोकेशन्स पर शूट किए जा रहे हैं। शूटिंग के बीच, अनिल कपूर ने ताजमहल का दौरा किया और वहां पहुंचे फैंस से मुलाकात की, जिससे उनकी खुशी दोगुनी हो गई। यह पहला मौका नहीं है, जब अनिल कपूर ताजमहल देखने आए हैं। कुछ साल पहले वह हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज के साथ भी ताजमहल का दौरा कर चुके थे। उस समय भी उन्होंने ताजमहल की शानदार खूबसूरती की जमकर तारीफ की थी।

कपिल के शो में सालों बाद गोविंदा और कृष्णा अभिषेक रीयूनियन, मामा को गले लगा बोले-अब नहीं छोड़ूंगा

कपिल शर्मा का कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा' नेटफ्लिक्स पर लोगों को जबरदस्त एंटरटेनमेंट का डोज दे रहा है। उनके शो में अब तक कई सेलिब्रेटी आकर चर्चा में आ चुके हैं। वहीं, अब शो के नए एपिसोड में बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर गोविंदा, चंकी पांडे और शक्ति कपूर हंसी का ठहाका लगाने वाले हैं। ऐसे में सालों बाद शो में गोविंदा और भांजे कृष्णा अभिषेक का रीयूनियन भी देखने को मिलेगा। सामने आए शो के प्रोमो में गोविंदा, चंकी पांडे और शक्ति कपूर काफी मस्ती करते नजर आ रहे हैं और एक दूसरे की पोल खोलते दिख रहे हैं। इतना ही नहीं, इस दौरान मामा–भांजे का जबरदस्त रीयूनियन है। कृष्णा ने अपने मामा गोविंदा को गले लगाकर उनका स्वागत किया और कहा, 'दो साल बाद मिले हैं अब नहीं छोड़ूंगा।' यह मूमेंट देख कृष्णा की बहन आरती सिंह भी भावुक हो गईं। ये बात किसी से छिपी नहीं है कि गोविंदा और कृष्णा के बीच 36 का आंकड़ा रहा है। गोविंदा की पत्नी सुनीता अहूजा ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि कृष्णा और उनकी पत्नी कश्मीरा शाह से उनके संबंध अच्छे नहीं हैं। वहीं इसी साल अप्रैल में आरती सिंह की शादी में गोविंदा ने शामिल होकर पारिवारिक लड़ाई को खत्म कर दिया था। वहीं, बाद गोविंदा को गोली लगने वाली घटना के बाद कश्मीरा शाह उन्हें देखने अस्पताल पहुंची थीं। ऐसे में दोनों परिवारों के रिश्ते फिर से मधुर हो गए।

हिना खान ने बिग बॉस 18 में करणवीर और शिल्पा की दोस्ती पर उठाए सवाल, दिया रियलिटी चेक

टीवी एक्ट्रेस हिना खान, जो इन दिनों कैंसर से जंग लड़ रही हैं, हाल ही में 'बिग बॉस 18' में नजर आईं। हिना ने वीकेंड का वार एपिसोड में सलमान खान से मुलाकात की और फिर वह शो के घर में दाखिल हुईं। घर में हिना ने कई कंटेस्टेंट्स को रिएलिटी चेक दिया और अपने दोस्त करणवीर मेहरा को भी कुछ अहम बातें समझाईं। इस दौरान उन्होंने करणवीर और शिल्पा शिरोड़कर की दोस्ती पर भी सवाल उठाए। 'बिग बॉस 18' के वीकेंड का वार में हिना खान ने अपने हौसले और कड़ी मेहनत के साथ शो में एंट्री की। हिना, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं, इस समय स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर का इलाज करवा रही हैं। शो में हिना ने सलमान खान से मुलाकात की और फिर घरवालों से बात की, जहां उन्होंने कुछ कंटेस्टेंट्स को अपनी राय दी। हिना ने शो में आने के बाद दर्शकों को यह संदेश दिया कि किसी भी कठिन परिस्थिति से जूझते हुए भी हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए। अब शो के मेकर्स ने नया प्रोमो जारी किया है, जिसमें हिना खान घर के कंटेस्टेंट करणवीर मेहरा और शिल्पा शिरोड़कर की दोस्ती पर सवाल उठाती हैं। हिना का कहना है कि 'बिग बॉस' जैसे गेम में दोस्ती दिखाने की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, खासकर जब आप किसी को नॉमिनेट करते हैं। हिना ने करण को रियलिटी चेक देते हुए कहा, ष्जब शिल्पा ने आपको नॉमिनेट किया, तो मुझे यह सही नहीं लगा। हिना ने आगे कहा, अगर आप अपने दोस्तों को नॉमिनेट करते हो, तो यह दोस्ती नहीं, बल्कि कुछ और है।ष इस पर करणवीर भी चुप नहीं रहते और यह बातचीत और भी आगे बढ़ती है। प्रोमो में सलमान खान एक और टास्क कराते हुए नजर आते हैं, जिसमें घरवाले अपनी जलन और ईर्ष्या को बाहर निकालते हैं। इस टास्क के दौरान रजत दलाल और शिल्पा शिरोड़कर के बीच तीखी बहस होती है। दोनों एक–दूसरे पर ताने कसते हैं और कड़वी बातें सुनाते हैं। सोशल मीडिया पर इस प्रोमो को लेकर फैंस अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ष्शिल्पा अब रजत का नाम बार–बार क्यों ले रही हैं? वहीं, एक और यूजर ने हिना खान की तारीफ करते हुए लिखा, हिना ने करणवीर को रियलिटी चेक दे दिया है, अब देखना है कि आगे क्या होता है। हिना खान के हौसले और जज्बे को सलमान खान ने भी सराहा। हिना, जो स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं, अपने इलाज के बावजूद शो में अपनी हिम्मत दिखाने आई हैं। उनके इलाज के दौरान आई कठिनाइयों, बालों का गिरना और कीमोथैरेपी की चुनौतियों से जूझने के बावजूद वह लोगों को अपना हौंसला दिखा रही हैं। सलमान खान ने कहा, श्आप एक रियल फाइटर हैं।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना डेंटिंग की अफवाहों को मिली हवा, कपल की लंच डेट की तस्वीरे लीक हुई

साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के बीच काफी लंबे समय से डेटिंग की अफवाह है। लेकिन दोनों ही डेटिंग की कभी पुष्टि नहीं की थी। हालांकि, जब विजय और रश्मिका साथ होते हैं तो डेटिंग की अफवाहें उड़ने लगती है। सोशली मीडिया पर एक तस्वीर खूब वायरल हो रही है। हाल ही में इस कपल को एक कैफे में दोपहर के भोजन का आनंद लेते देखा गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस का रिएक्शन आने लगा है। रेडिट ने फोटो शेयर की है जिसमें रश्मिका मंदाना कैजुअल कपड़े पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने डेनिम के साथ ब्लू कलर का क्रॉप टॉप पहना हुआ है। वहीं, विजय देवरकोंडा चेक शर्ट और डेनिम के साथ सफेद टी–शर्ट में खूबसूरत लग रहे थे। फोटो शेयर होते ही फैन्स ने रिएक्शन दिया। कई फैंस ने उन्हें क्यूट कपल बताया। एक तस्वीर में विजय देवरकोंडा एक टेबल पर बैठकर खाना खा रहे हैं। रश्मिका उनके सामने कैमरे की तरफ पीठ करके बैठी नजर आईं। एक अन्य क्लोजअप फोटो में रश्मिका अपनी स्वीट का आनंद लेती नजर आ रही हैं। तस्वीर में रश्मिका अपनी प्लेट को देख रही है। फोटो पर अच्छा खाना लिखा हुआ था। यह वहीं फैफे जहां दोनों साथ नजर आए और दोनो ही मैचिंग आउटफिट पहनें नजर आए। इस पोस्ट को कैप्शन के साथ शेयर किया गया था, ष्विजय देवरकोंडा और रश्मिका एक साथ देखे गए।ष इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक व्यक्ति ने कहा, ष्यह वर्तमान में सबसे खुले तौर पर गुप्त रिश्तों में से एक है। वे जानते हैं कि हम जानते हैं। हम जानते हैं कि वे जानते हैं। फिर भी वे अभी भी लुका–छिपी खेलना चाहते हैं। एक टिप्पणी में कहा गया, वे इसके बारे में बात नहीं करना चाहते और एक अच्छी चीज को बर्बाद करना चाहते हैं। उन्हें इसकी परवाह नहीं है कि हम जानते हैं, लेकिन वे सार्वजनिक रूप से सामने भी नहीं आएंगे। एक प्रशंसक ने कहा, प्यारा जोड़ा। कुछ दिनों पहले म्यूजिक वीडियो साहिबा के प्रमोशन के दौरान विजय ने कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात की थी। विजय से पूछा गया कि क्या बिना शर्त प्यार अब भी मौजूद है। उन्होंने जवाब दिया, "मैं जानता हूं कि प्यार करना क्या होता है, और मैं जानता हूं कि प्यार करना क्या होता है। मुझे नहीं पता कि यह बिना शर्त है या नहीं क्योंकि मेरा प्यार उम्मीदों के साथ आता है। मैं ऐसे किसी प्यार के बारे में नहीं जानता जो आता हो...हो सकता है कि हो, शायद इसके प्रति मेरी अज्ञानता हो। दिन के अंत में, प्यार पाना अच्छी बात है। बाकी सब कुछ अति–रोमांटिक है। मुझे लगता है कि प्यार में सशर्त होना ठीक है। उसके बाद, नेवर हैव आई एवर के एक गेम में, विजय ने एक सह–कलाकार के साथ डेटिंग करने की बात भी स्वीकार की, और दावा किया कि वह सिंगल नहीं है। उन्होंने कहा था, मैं पहले भी एक को–स्टार को डेट कर चुके है। मैं 35 साल का हूं, क्या आपको लगता है कि मैं अकेला रहूंगा? हम सभी को कभी न कभी (शादी) करनी ही पड़ती है, जब तक कि ऐसा न करने का कोई विकल्प न हो।

रणबीर कपूर ने राज कपूर फिल्म महोत्सव की घोषणा की

पणजी। बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने अपने दादा और दिग्गज फिल्म निर्माता राज कपूर की जन्मशताब्दी के मौके पर दिसंबर में देश भर में एक फिल्म महोत्सव आयोजित करने की रविवार को घोषणा की। इस फिल्म महोत्सव में राज कपूर की पुरानी हिट फिल्में दिखाई जाएंगी। रणबीर यहां 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में फिल्म निर्माता राहुल रवैल के साथ बातचीत कर रहे थे। यह महोत्सव 14 दिसंबर को राज कपूर की 100वीं जयंती से पहले उनके सम्मान में आयोजित किया गया था।

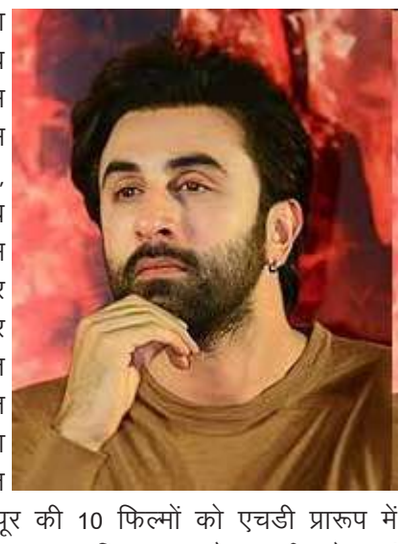

अभिनेता ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी), भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार (एनएफएआई) और फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन (एफएचएफ) तथा उनके चाचा कुणाल कपूर ने राज कपूर की 10 फिल्मों को एचडी प्रारूप में परिवर्तित करना शुरू कर दिया गया है। रणबीर ने यहां कला अकादमी के खचाखच भरे सभागार में कहा, हम 13 से 15 दिसंबर तक पूरे भारत में राज कपूर फिल्म महोत्सव का आयोजन करने जा रहे हैं। हम राज कपूर की 10 फिल्मों का परिवर्तित संस्करण दिखाएंगे। उन्होंने कहा, श्मुझे उम्मीद है कि आप लोग भी आएंगे (फिल्म महोत्सव देखने के लिए)। मुझे याद है कि जब मैं पहली बार आलिया से मिला था तो उसने मुझसे पूछा था 'किशोर कुमार कौन हैं?' यह जीवन का चक्र है, लोग भूल जाते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी जड़ों को याद रखें।

सर्दियों में ड्राई स्किन होगी दूर, बस इस तरह से चेहरे पर लगाएं फेस टोनर, पूरे दिन रहेंगी आप हाइड्रेट

अक्सर सर्दी के मौसम में ड्राई स्किन परेशान करती रहती है। इस मौसम में ड्राई स्किन से निपटना काफी मुश्किल होता है। ठंड में हवा में नमी काफी कम होती है, जिससे स्किन ड्राई होने लगती है। सूखी त्वचा की समस्या से निपटने के लिए टोनर का प्रयोग करना उचित हैं लेकिन इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना भी काफी जरुरी है। यदि आपकी स्किन ड्राई हो जाती है, तो हाइड्रेटिंग फेस टोनर आपके लिए बेस्ट है। आइए आपको बताते हैं कि इसका सही यूज कैसे करे। जब भी आप अपने त्वचा की देखभाल करना चाहते हैं, तो सबसे पहले अपने चेहरे पर जमा प्रदूषक, गंदगी, मैल आदि को हटाने के लिए अच्छे मॉइस्चाराइजिंग क्लींजर का यूज करें। इसकी मदद से आप चेहरे और गर्दन को साफ कर सकते हैं। जब त्वचा नम होती है तो टोनर आपकी स्किन में अच्छी तरह से अवशोषित हो जाते हैं। चेहरे को क्लींजर से धोने के बाद थोड़ा नम छोड़ते हुए माइक्रोफाइबर तौलिए से धीरे से थपथपाएं जरुर। इसके बाद आप स्किन को हाइड्रेटिंग रखने के लिए अच्छे क्वालिटी वाले टोनर को ले। मॉइस्चराइजिंग टोनर स्किन के पीएच लेवल को सुंतलित करने में मदद करता है। इसके साथ ही पहले रुखी त्वचा, ड्राई त्वचा में हाइड्रेशन को भी बढ़ावा देते हैं। टोनर को लगाने लिए एक कॉटन पैड पर कुछ बूंद टोनर की डालें और धीरे से ऊपर की ओर स्वाइप करें। चेहरे की नमी बनाए रखने के लिए फेस सीरम का प्रयोग करें। हथेली पर सिरम की बूंदें डालें और फिर फेस सीरम लगाएं। ये स्किन की चमक बनाए रखने में मदद करेगा। इसके साथ ही आप ड्राई स्किन से निपटने के लिए बेस्ट है।

दिल्ली के प्रदूषण से तंग हो गए हैं, तो इन प्राकृतिक जगहों पर जरुर घूमने जाएं

भारत के कई हिस्सों में इस समय प्रदूषण से बुरा हाल हो रखा है। जहरीली हवाओं में रह–रह कर जीना दुश्वार हो जाता है। दिल्ली के आसपास इलाकों में एक्यूआई लेवल 1000 के पार पहुंच गया है। इस दौरान अगर आप घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं तो भारत की इन जगहों पर जरुर जाएं। यहां पर आप प्रदूषण के बराबर मिलेगा। यहां आप खुलकर सांस ले सकते हैं। अगर आप शांत और सुकून से भरे जगह की तलाश में हैं तो आप इन परफेक्ट जगहों पर जरुर जा सकते हैं। खूबसूरत पहाड़ियों और घाटियों से घिरा ये शहर आपका का मन मोह लेगा। यहां की खूबसूरती और प्राकृतिक नजारे देखकर आपका मन खुश रहेगा।

मैंगलोर

दक्षिण भारत में घूमने के लिए कई शानदार जगहें है। यदि आप घूमने फिरना पसंद है तो आप मैंगलोर को अपनी लिस्ट में जरुर शामिल करें। यहां आप बीच के साथ ही प्राचीन मंदिर घूम सकते हैं। यहां आपको अलग आर्किटेक्चर देखने को मिलेगा।

गंगटोक

सिक्किम में मौजूद गंगटोक शहर बेहद ही खूबसूरत है। यहां पर घूमने का लिहाज से काफी आकर्षक, प्राकृतिक और बादलों से घिरी हुई शानदार जगह। इस पॉल्यूशन फ्री शहर में आप मजे कर सकते हैं।

कोल्लम

केरल में तिरुवनंतपुरम में एयरपोर्ट में करीब 80 किमी दूर कोल्लम शहर बेहद ही खूबसूरत है। यहां पर शांति से भरा वातावरण देखने को मिल जाएगा। यहां पर आप प्रचीन इतिहास और आधुनिक लाइफस्टाइल जरुर देख सकते हैं।

नॉर्मल डिलीवरी के बाद आराम है सबसे जरूरी, जानें कैसे करें सही देखभाल

नॉर्मल डिलीवरी के बाद महिलाओं के शरीर में कई बदलाव होते हैं, जिनसे उबरने में समय लगता है। यह समय नई मां के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि शरीर और मन दोनों को रिकवरी की जरूरत होती है। सही देखभाल और अच्छी आदतें अपनाकर इस प्रक्रिया को आसान बनाया जा सकता है। यहां हम कुछ असरदार टिप्स साझा कर रहे हैं, जो नॉर्मल डिलीवरी के बाद आपको जल्दी रिकवर करने में मदद करेंगे।

पूरी नींद लें

नॉर्मल डिलीवरी के बाद मां के शरीर को थकावट, हल्के दर्द और सूजन से उबरने के लिए आराम की सख्त जरूरत होती है। यह समय शरीर को पुनः ऊर्जा और ताकत देने का होता है। नई मां के लिए पूरी नींद लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, क्योंकि बच्चे की देखभाल का समय अधिक होता है। लेकिन जितना संभव हो, छोटे–छोटे अंतराल में सोने की कोशिश करें। सही नींद से शरीर को नई ऊर्जा मिलती है और दर्द या सूजन जैसी समस्याएं जल्दी ठीक होती हैं। हर संभव अवसर पर आराम करें। ज्यादा थकावट लेने से शरीर की रिकवरी में देरी हो सकती है। इसलिए अपनी दैनिक जिम्मेदारियों को हल्का रखें और अपने शरीर को आराम का समय दें। पार्टनर और परिवार के अन्य सदस्यों से मदद मांगें। परिवार का सहयोग इस समय मां के लिए मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से फायदेमंद साबित होता है। आराम को प्राथमिकता देकर मां न केवल अपनी रिकवरी को तेज कर सकती है, बल्कि अपने बच्चे की बेहतर देखभाल के लिए भी खुद को तैयार कर सकती है।

पोषणयुक्त आहार का सेवन करें

नॉर्मल डिलीवरी के बाद मां के शरीर को पोषण की अत्यधिक जरूरत होती है। इस समय आयरन और कैल्शियम से भरपूर आहार लेना जरूरी है। हरी सब्जियां, दाल, दूध और सूखे मेवे का सेवन शरीर को जरूरी पोषक तत्व प्रदान करते हैं। साथ ही, प्रोटीन और विटामिन्स से भरपूर फल और दालें मां की ताकत बढ़ाने में मदद करती हैं और रिकवरी को तेज करती हैं। जंक फूड और तैलीय भोजन से बचें, क्योंकि यह पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। सही आहार न केवल शरीर को

अंदर से मजबूत बनाता है, बल्कि यह स्तनपान के दौरान बच्चे को भी लाभ पहुंचाता है।

हल्की एक्सरसाइज और योग करें

डिलीवरी के बाद हल्की एक्सरसाइज और योग करने से मां के शरीर को शारीरिक ताकत और मानसिक सुकून मिलता है। शुरुआती दिनों में धीरे–धीरे पैदल चलना शरीर में गति लाने और ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने का अच्छा तरीका है। हल्के योगासन मांसपेशियों को ताकत और लचीलापन देते हैं। हालांकि, किसी भी एक्सरसाइज या योग को शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें। यह सुनिश्चित करता है कि आपका शरीर इसे अपनाने के लिए तैयार है और किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं होगी।

शरीर को हाइड्रेट रखें

डिलीवरी के बाद मां के शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और अंग बेहतर तरीके से काम करते हैं। खासकर स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए हाइड्रेशन बेहद आवश्यक है, क्योंकि यह दूध उत्पादन को बढ़ावा देता है। पानी के साथ–साथ नारियल पानी और हर्बल चाय जैसे पेय पदार्थ भी शरीर को ऊर्जा और पोषण प्रदान करते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें

शारीरिक रिकवरी के साथ–साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। मां बनने के बाद कई महिलाएं भावनात्मक उतार–चढ़ाव का अनुभव करती हैं। इस समय परिवार और दोस्तों से भावनात्मक सहयोग लेना मददगार हो सकता है। खुद को खुश रखने के लिए सकारात्मक माहौल बनाएं और जरूरत महसूस हो तो किसी विशेषज्ञ से सलाह लेने में संकोच न करें। आत्मदेखभाल भी जरूरी हैकूअपने लिए समय निकालें, अपनी पसंदीदा चीजें करें, और मानसिक शांति बनाए रखें।

सही देखभाल क्यों जरूरी है?

नॉर्मल डिलीवरी के बाद शरीर को सामान्य स्थिति में लौटने के लिए समय और सही देखभाल की जरूरत होती है। सही आहार, पर्याप्त आराम, एक्सरसाइज, हाइड्रेशन और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखकर महिलाएं अपनी रिकवरी प्रक्रिया को तेज और सहज बना सकती हैं। साथ ही, इस समय परिवार और पार्टनर का सहयोग बेहद अहम होता है। जब मां को सही देखभाल और प्यार मिलता है, तो वह जल्दी से स्वस्थ होकर अपनी दिनचर्या में लौट सकती है।

इस समय परिवार और पार्टनर की जिम्मेदारी होती है कि वह मां का हरसंभव ख्याल रखें ताकि वह आसानी से अपनी दिनचर्या में लौट सके। सही देखभाल से यह सफर न केवल आसान होगा बल्कि मां और बच्चे दोनों के लिए सुखद भी।

ठंड में रखें सेहत का ख्याल, जानें क्या खाएं और क्या न खाएं

सर्दियों का मौसम अपनी ठंडक और स्वादिष्ट खानपान के लिए जाना जाता है, जहां गजक, रेवड़ी और गुड़ के लड्डू जैसी चीजें हर घर की पसंद बन जाती हैं। लेकिन ठंड के इस आरामदायक मौसम में हमारा खानपान हमारी सेहत पर बड़ा असर डालता है। जहां कुछ खाद्य पदार्थ शरीर को गर्म और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं, वहीं कुछ ऐसी चीजें भी हैं जो हमारी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। तो आइए जानते हैं, सर्दियों में किन चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए ताकि आपकी सेहत बनी रहे और आप इस मौसम का भरपूर आनंद उठा सकें।,

सर्दियों में इन चीजों से बचें

ठंडी और बर्फीली चीजें

सर्दियों में आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक, और फ्रिज का ठंडा पानी पीने से बचना चाहिए क्योंकि ये शरीर का तापमान कम करती हैं। इससे इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है, जिससे सर्दी, खांसी, गले की खराश, और बुखार जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ठंडी चीजों का अधिक सेवन शरीर को अंदर से ठंडा करता है, जिससे जोड़ों में दर्द और सर्दियों के अन्य संक्रमण हो सकते हैं। इसके अलावा, ठंडी चीजें गले की मांसपेशियों को प्रभावित करती हैं और इन्फ्लूएंजा का खतरा बढ़ाती हैं।

डीप फ्राई खाद्य पदार्थ

पकौड़ी, कचौड़ी, समोसे, पूरियां, और अन्य तले हुए खाद्य पदार्थों का सर्दियों में अधिक सेवन करने से पाचन तंत्र पर दबाव बढ़ता है। ठंड के मौसम में पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है, जिससे भारी भोजन को पचाना मुश्किल हो जाता है। यह गैस, एसिडिटी, अपच, और पेट दर्द का कारण बन सकता है। तैलीय भोजन में ट्रांस फैट की मात्रा अधिक होती है, जो हृदय स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अतिरिक्त, ऐसे खाद्य पदार्थ शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाकर वजन बढ़ने का कारण बनते हैं।

ज्यादा कैफीन का सेवन

सर्दियों में गर्म रहने के लिए लोग चाय और कॉफी का अधिक सेवन करते हैं। हालांकि, कैफीन का ज्यादा सेवन शरीर को डिहाइड्रेट कर देता है, जिससे त्वचा में रूखापन, फटे होंठ, और बालों का झड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कैफीन नींद के पैटर्न को भी बाधित कर सकता है, जिससे थकावट और मानसिक तनाव बढ़ता है। इसके अलावा, यह शरीर में एसिडिटी और पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। कैफीन का अधिक सेवन हड्डियों की कमजोरी और जोड़ों में दर्द का कारण भी बन सकता है।

ज्यादा मीठा खाना

गाजर का हलवा, मूंग का हलवा, और अन्य मीठी चीजों का अधिक सेवन सर्दियों में स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। ज्यादा मीठा खाने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ता है, जिससे डायबिटीज का खतरा बढ़ता है। अतिरिक्त चीनी का सेवन शरीर में वसा के रूप में जमा हो जाता है, जो वजन बढ़ाने और मोटापे का कारण बनता है। इससे दांतों की सड़न और गम संक्रमण जैसी दंत समस्याएं भी हो सकती हैं। सर्दियों में मीठा खाने से शरीर की ऊर्जा का असंतुलन हो सकता है, जिससे आलस्य और थकान महसूस होती है।

जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड

सर्दियों में जंक फूड जैसे बर्गर, पिज्जा, चिप्स, और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें। इनमें प्रिजर्वेटिव्स और केमिकल्स मौजूद होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी को कमजोर कर देते हैं। इन खाद्य पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी होती है और यह शरीर में विषाक्त पदार्थों को बढ़ाते हैं। जंक फूड का अधिक सेवन हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, और कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। सर्दियों में प्रोसेस्ड फूड का सेवन करने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और संक्रमण का खतरा बढ़ता है। यह भोजन शरीर में सूजन और थकावट पैदा कर सकता है। सर्दियों में स्वस्थ रहने के लिए ताजा और पोषणयुक्त खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दें। इन हानिकारक चीजों से बचकर आप सर्दियों का आनंद पूरी तरह से ले सकते हैं।

स्वस्थ रहने के लिए अपनाएं ये टिप्स

ताजे फल और सब्जियों को करें डाइट में शामिल

ताजे फल और सब्जियां सर्दियों के लिए बेहतरीन आहार हैं। इनमें मौजूद विटामिन, मिनरल्स, और एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं और शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं। संतरा, आंवला, गाजर, शलजम, पालक, और मूली जैसी मौसमी सब्जियां और फल खाएं। ये न केवल शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं, बल्कि त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में भी मदद करते हैं। फलों का सेवन कच्चा करें या सलाद के रूप में खाएं, और सब्जियों को हल्के मसालों के साथ पकाएं ताकि पोषक तत्व बरकरार रहें।

संतुलित आहार लें

सर्दियों में ओवरईटिंग से बचना बेहद जरूरी है, क्योंकि भारी और ज्यादा खाना पाचन पर दबाव डाल सकता है। संतुलित आहार में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन, और फाइबर को शामिल करें। घी और मक्खन का सेवन सीमित मात्रा में करें। भोजन में साबुत अनाज, दालें, और हल्का सूप शामिल करें, जो आसानी से पच सके। रात के समय हल्का भोजन करें, ताकि सोने के दौरान शरीर को आराम मिले। संतुलित आहार न केवल वजन को नियंत्रित करता है, बल्कि शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए ग्रीन टी, अदरक की चाय, मसाला चाय, और हल्दी वाला दूध बहुत फायदेमंद हैं। ये पेय पदार्थ शरीर को डिटॉक्स करने और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। गर्म पानी में शहद और नींबू मिलाकर पीने से गले की खराश और सर्दी–जुकाम में राहत मिलती है। हल्दी वाला दूध एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है और ठंड से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा, सूप और हर्बल चाय का सेवन भी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।

व्यायाम करें

ठंड के मौसम में शरीर को सक्रिय और स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम बहुत जरूरी है। सुबह की सैर, योग, स्ट्रेचिंग, और हल्के वर्कआउट को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। सर्दियों में मांसपेशियों को लचीला बनाए रखने और रक्त संचार को बेहतर करने के लिए व्यायाम बहुत फायदेमंद है। ठंड में व्यायाम करने से शरीर गर्म रहता है और मूड बेहतर होता है। व्यायाम के बाद गर्म पानी से स्नान करें और आरामदायक कपड़े पहनें। अगर बाहर जाना संभव न हो, तो घर पर ही छोटे–छोटे एक्सरसाइज रूटीन अपनाएं। सर्दियों में स्वस्थ रहने के लिए यह जरूरी है कि आप अपने खानपान, आदतों और दिनचर्या में संतुलन बनाए रखें। इन उपायों को अपनाकर आप न केवल बीमारियों से बच सकते हैं, बल्कि ठंड के मौसम का पूरा आनंद भी ले सकते हैं।

संक्षिप्त

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली जीत के बाद विराट कोहली के कायल हुए बुमराह, बोले - हमें उनकी जरूरत

पर्थ। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में कप्तानी करने वाले जसप्रीत बुमराह ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच के बाद विराट कोहली की जमकर सराहना की है। बुमराह का कहना है कि कोहली को टीम की नहीं, बल्कि हमें उनकी जरूरत है। भारत ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1–0 की बढ़त हासिल की थी। भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हरा दिया। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में कंगारू टीम दूसरी पारी में 238 रन पर सिमट गई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 104 रन पर सिमट गई। भारत को पहली पारी के आधार पर 46 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी भारत ने छह विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित कर दी थी और कुछ बढ़त 533 रन की हासिल की थी। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन शतक लगाया था। कोहली पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे थे, लेकिन पर्थ में उन्होंने दमदार पारी खेली और भारत की जीत में योगदान दिया। कोहली ने 143 गेंद में 100 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाए थे। कोहली का ऑस्ट्रेलिया में यह सातवां टेस्ट शतक था और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में सर्वाधिक टेस्ट शतक के मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया था। कोहली का ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट प्रारूप में यह छह साल बाद पहला शतक था। उन्होंने इससे पहले अंतिम बार ऑस्ट्रेलियाई धरती पर 2018 में इस प्रारूप में सैकड़ा जड़ा था। बुमराह ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, कोहली के लिए मैं यही कहूंगा कि उन्हें हमारी नहीं, बल्कि हमें उनकी जरूरत है। मैंने पहले भी कहा था कि कोहली अच्छी लय में दिख रहे हैं। हालांकि, पहली पारी में वह अच्छी गेंद पर आउट हो गए थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने अच्छा खेल दिखाया। कोहली टीम के काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनका यह चौथा या पांचवां ऑस्ट्रेलियाई दौरा है। बुमराह से एडिलेड में छह दिसंबर से होने वाले दूसरे टेस्ट के बारे में भी पूछा गया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट गुलाबी गेंद से खेला क्योंकि यह डे–नाइट टेस्ट होगा। इस बारे में बुमराह ने कहा, जब हम 2018 में यहां खेले थे उसकी तुलना में इस बार पर्थ का विकेट थोड़ा अलग था। इस विकेट में पहली पारी की तुलना में बदलाव आया। हमने 2018 के अनुभव से सीख लिया जिससे हमें मदद मिली। अभी मैं गुलाबी गेंद के बारे में नहीं सोच रहा हूं क्योंकि अभी तो जीत मिली ही है। जब हम कैनबरा में कैंप करेंगे तब इसके बारे में सोचेंगे।

महाराष्ट्र में भाजपा की जीत के बाद शेयर मार्केट में खुशी की लहर

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आ चुके ही। शनिवार 23 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आए है जिसमें बीजेपी ने फिर सरकार बनाई है। महाराष्ट्र में जीत का असर शेयर मार्केट पर भी देखने को मिला है। चुनाव नतीजे सामने आने के बाद सोमवार 25 नवंबर को पहली बार शेयर मार्केट खुला है। महाराष्ट्र में बीजेपी की जीत

का असर शेयर मार्केट पर दिखा है। चुनाव नतीजे आने के बाद पहले कारोबारी दिन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के 30 शेयरों वाला इंडेक्स 80,000 को पार कर गया है। घरेलू शेयर बाजारों के मजबूत रुख के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे मजबूत होकर 84.35 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक के ऊंचे स्तर तथा रूस–यूक्रेन संघर्ष के बढ़ने से पिछले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में करीब पांच प्रतिशत की वृद्धि जैसे कारक अमेरिकी डॉलर/भारतीय मुद्रा की जोड़ी के लिए बड़ी बाधाएं हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.38 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 84.35 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.41 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 106.93 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75.01 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,278.37 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

गाबा के बाद पर्थ में टूटा ऑस्ट्रेलिया का घमंड, भारत ने पहला टेस्ट 295 रन से जीतकर 1-0 की बढ़त बनाई

पर्थ। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला गया। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है और यह साफ हो जाएगा कि कौन सी टीम विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में पहुंचेगी। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 238 रन पर सिमट गई।

भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हरा दिया है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में कंगारू टीम 238 रन पर सिमट गई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 104 रन पर सिमट गई। भारत को पहली पारी के आधार पर 46 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी भारत ने छह विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित कर दी थी और कुछ बढ़त 533 रन की हासिल की थी।

ध्यान देने वाली बात यह है कि टीम इंडिया में न तो रोहित शर्मा थे, न ही शुभमन गिल, न ही रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन और न ही मोहम्मद शमी थे। इसके बावजूद टीम इंडिया ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 2021 में गाबा में ऑस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ने के बाद भारत ने अब पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ा है। इस टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में चार टेस्ट खेले थे और सभी जीते थे। पांचवें में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पहले मैच पर्थ के वाका स्टेडियम में खेले जाते थे। हालांकि, 2018 से ऑप्टस स्टेडियम में मैच खेले जाने लगे। पर्थ (वाका, 2008), एडिलेड (2008), गाबा (2021) और अब पर्थ (ऑप्टस)...भारत ने ऑस्ट्रेलिया में कुछ ऐतिहासिक मैच जीते हैं। खास बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया की तुलना में कम अनुभव वाली टीम ने कंगारुओं को चौंकाया है। पर्थ की उछाल और गति वाली पिच पर मेजबान को डरा कर रखना शानदार बात रही। भारत का यह ऑस्ट्रेलिया में रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत भी है। 295 रन से यह मुकाबला जीतने से पहले भारत ने मेलबर्न में 1977 में 222 रन से जीत दर्ज की थी। वहीं, 2018 में भारत ने मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया को 137 रन से हराया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0–3 से क्लीन स्वीप होने के बाद भारतीय टीम की यह वापसी खास है।

दो भारतीयों के बीच शतरंज विश्व खिताब के लिए मुकाबले से हैरानी नहीं होगी-स्विडलर

सिंगापुर । रूस के ग्रैंडमास्टर पीटर स्विडलर ने कहा कि उन्हें निकट भविष्य में विश्व शतरंज चौंपियनशिप के खिताब के लिए दो भारतीय खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करते हुए देखकर आश्चर्य नहीं होगा क्योंकि इस खेल में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के डी गुकेश सोमवार से शुरू हो रही विश्व चौंपियनशिप में मौजूदा चौंपियन चीन के डिंग लिरेन का सामना करने के लिए तैयार हैं। दो भारतीयों के खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर स्विडलर ने शतरंज की वैश्विक संचालन संस्था फिडे से कहा, ''निश्चित रूप से यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी।''

उन्होंने कहा, ''विश्व चौंपियनशिप मैच के लिए क्वालीफाई करना मुश्किल है। यहां तक कि इस साल अर्जुन (एरिगेसी) जैसे खिलाड़ियों का दबदबा रहा, वह जहां भी खेला काफी अंक जुटाए, वह बिल्कुल अविश्वसनीय है लेकिन वह भी विश्व चौंपियनशिप चक्र का हिस्सा नहीं है।'' स्विडलर ने कहा कि हालांकि विश्व चौंपियनशिप 'अतिरिक्त दबाव' लाती है लेकिन अगर भारतीय खिलाड़ी कम से कम अगले डेढ़ दशक तक प्रतिस्पर्धा में बने रहते हैं तो यह 'आश्चर्य' नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''सबसे पहले तो उसे (अर्जुन को) अब भी (विश्व चौंपियनशिप) चक्र के लिए क्वालीफाई करना है। उसके पास बहुत सारे सर्किट अंक हैं और वह विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है लेकिन फिर भी जब चक्र की बात आती है तो कुछ भी गारंटी नहीं है।'' स्विडलर ने कहा, ''इसलिए आप कभी नहीं कह सकते कि यह निश्चित रूप से होगा। लेकिन यह आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर अर्जुन या प्राग (आर प्रज्ञानानंदा) अगले चक्र या उससे अगले चक्र के लिए क्वालीफाई करते हैं। वे अगले 10–15 वर्षों तक दावेदार रहेंगे, मुझे ऐसा लगता है, हालांकि उन्हें गंभीरता से शतरंज खेलना जारी रखना होगा।'' स्विडलर का मानना घ्है कि लिरेन अपने शिखर से बहुत दूर है। उन्होंने कहा कि वह उस खतरनाक खिलाड़ी की सिर्फ छाया भर है जो वह एक समय हुआ करते थे। उन्होंने कहा, ''जहां तक घ्घडिंग की बात है तो मुझे लगता है कि जिस तरह से वह खेल रहा था, मान लीजिए कि अगर हम 2017 और 2019 के बीच की अवधि को लें, जब वह टूर्नामेंट में मैग्नस के लिए लगातार एक बहुत बड़ा खतरा था। उसने सेंट लुई में मैग्नस के खिलाफ टाईब्रेक जीतकर ग्रैंड चेस टूर जीता। बहुत कम लोग मैग्नस के खिलाफ टाईब्रेक जीतते हैं। वह बहुत ही खतरनाक खिलाड़ी था।'' स्विडलर ने कहा, ''और फिर कोविड हुआ और डिंग जिसे हम अब देखते हैं, ईमानदारी से उसकी एक छाया है। मुझे नहीं लगता कि आप इसे किसी और तरीके से वर्णित कर सकते हैं। वह अब भी उस शीर्ष के आसपास कहीं नहीं है जिसके बारे में हम जानते हैं कि वह सक्षम है।'' स्विडलर ने कहा कि डिंग और गुकेश दोनों ही बहुमुखी खिलाड़ी हैं जो सभी प्रारूपों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं जिससे शीर्ष स्तर पर शैलीगत तुलना कम प्रासंगिक हो जाती है। भारत ने हंगरी के बुडापेस्ट में 2024 शतरंज ओलंपियाड में पुरुष और महिला दोनों वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। स्विडलर का मानना घ्है कि भारत के असाधारण युवा खिलाड़ी आने वाले वर्षों में टीम शतरंज स्पर्धाओं में देश को एक प्रमुख शक्ति बनाएंगे। पांच बार रूस की ओलंपियाड विजेता टीम का हिस्सा रहे स्विडलर ने कहा, ''निश्चित रूप से भारत में एक परियोजना चल रही है जिसके ये परिणाम हैं... मेरा मतलब है कि यह पीढ़ी शानदार है और मुझे लगता है कि वे हावी होंगे।'' स्विडलर ने नई पीढ़ी को प्रेरित करने और मार्गदर्शन देने के लिए पांच बार के विश्व चौंपियन विश्वनाथन आनंद को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आपको अतीत में देखना होगा,

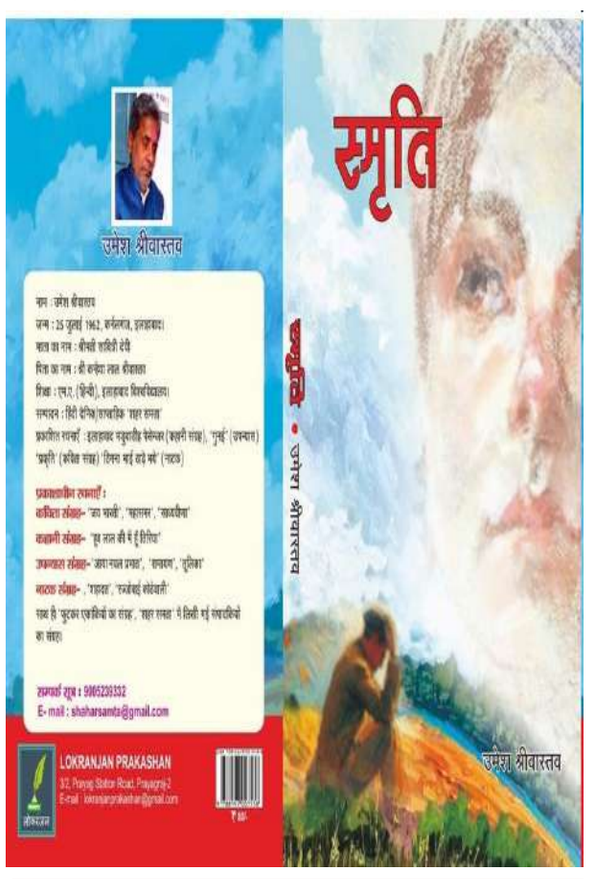

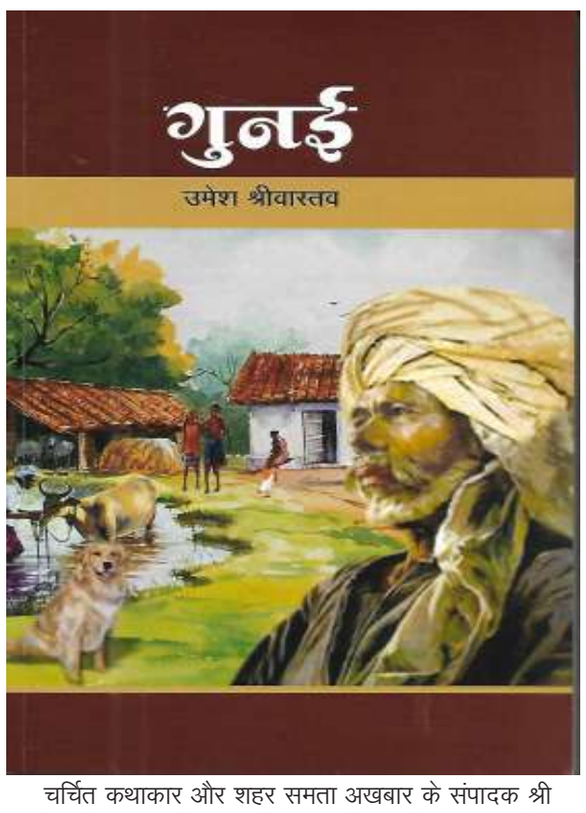

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

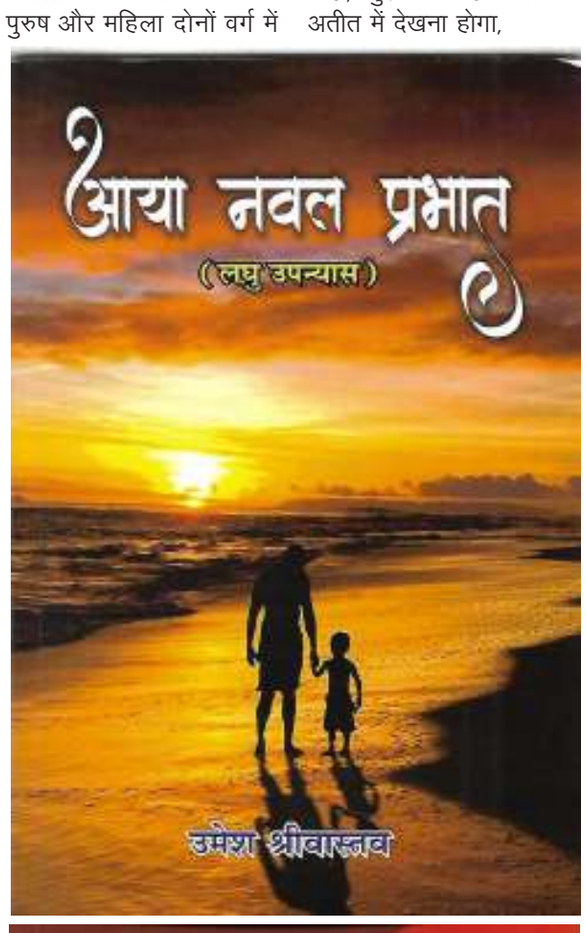

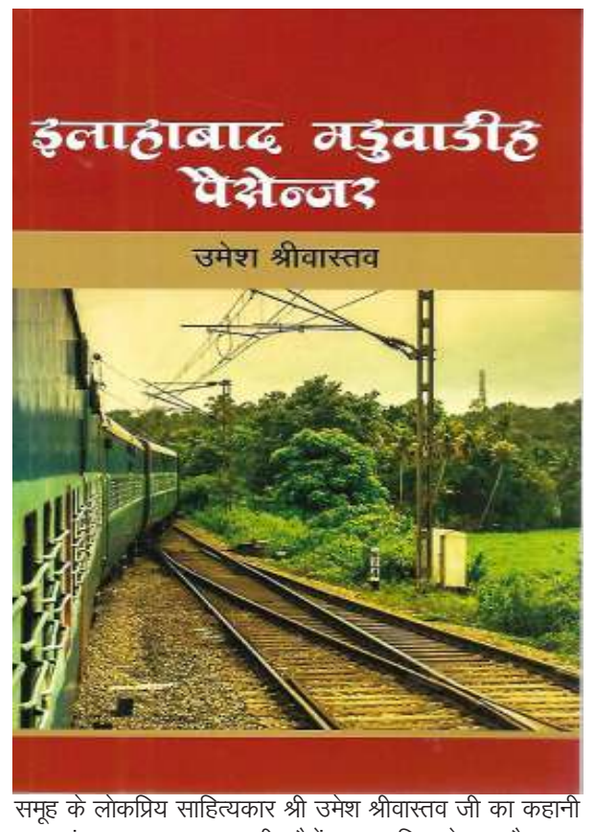

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

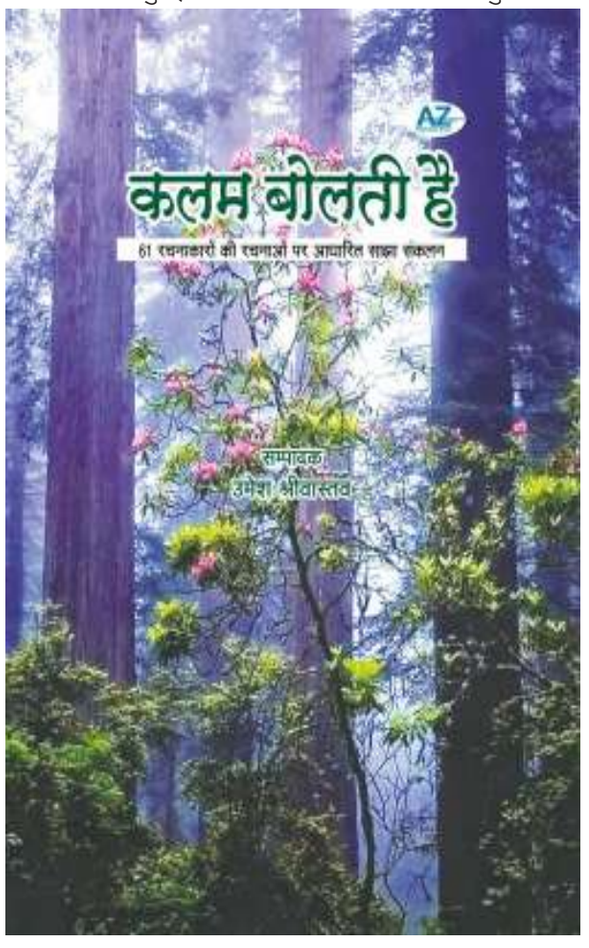

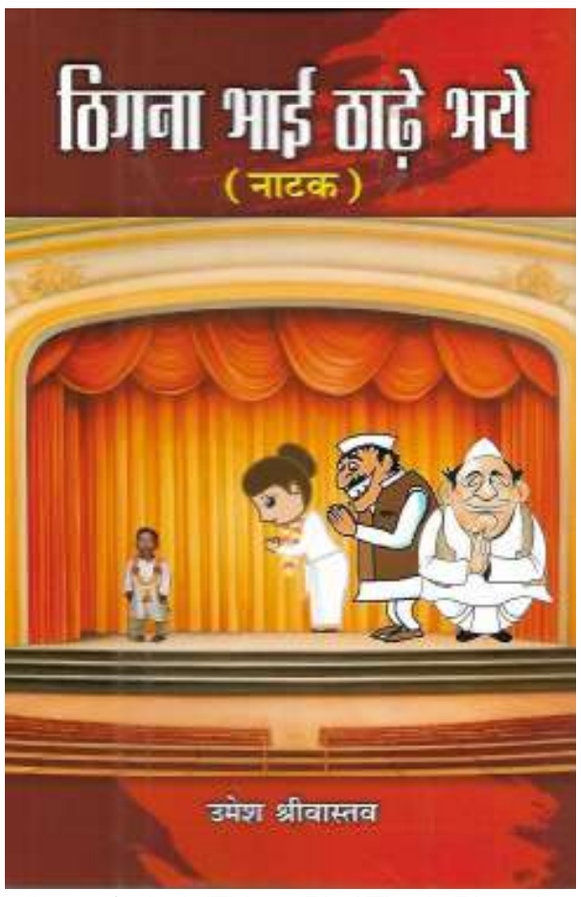

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

राष्ट्रपति बनते ही पहले आदेश में एलजीबीटी समुदाय को झटका दे सकते हैं ट्रंप, सैन्यकर्मियों पर हो सकता है फैसला

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में रहने वाले स्ळठज्फप्। समुदाय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ट्रंप एक ऐसा कार्यकारी आदेश लाने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे अमेरिका की सेना में सेवा दे रहे सभी ट्रांसजेंडर्स को हटाया जा सकेगा। अधिकारियों के मुताबिक, अगर यह आदेश आता है तो सभी ट्रांसजेंडर्स को मेडिकली डिस्चार्ज कर दिया जाएगा यानी वे सेना में सेवा देने के लिए अनफिट करार हो जाएंगे।

द संडे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 78 वर्षीय ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान भी ऐसा ही आदेस जारी किया था। तब उनके आदेश के तहत सेना में ट्रांसजेंडर्स की भर्ती को रोक दिया गया था। हालांकि, पहले से ही सेवा दे रहे ट्रांसजेंडर्स को अपना काम जारी रखने की इजाजत थी। हालांकि, इस बार वह सेना में मौजूदा समय में सेवा दे रहे ट्रांसजेंडर्स को भी हटाने की तैयारी कर रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि ट्रंप की तरफ से यह कार्यकारी आदेश, उनके 20 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति पद संभालने के दिन ही आ सकता है। मौजूदा समय में अमेरिकी सेना में 15,000 ट्रांसजेंडर्स सेवा दे रहे हैं। बताया गया है कि ट्रंप के पिछले कार्यकाल के बाद जब जो बाइडन ने नियम पलटे थे, तब पाया गया था कि 2200 सैन्य कर्मियों को यह लगता है कि उन्हें पैदा होने के दौरान जो लिंग मिला था, वह उससे अलग लैंगिक पहचान रखते हैं।

एलजीबीटी समुदाय को लेकर क्या है ट्रंप का रवैया?

डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से ट्रांसजेंडर समुदाय के सेना में शामिल किए जाने का विरोध करते रहे हैं। अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वह इस बारे में बच्चों के सामने नस्लीय सिद्धांत या किसी तरह के लैंगिक–राजनीतिक सामग्री को आगे बढ़ाने वाले स्कूलों की आर्थिक मदद रोक देंगे। इतना ही नहीं ट्रंप खेलों से भी ट्रांसजेंडर्स एथलीट्स को बाहर रखने पर मुखर रहे हैं।

अमेरिका के होने वाले उपराष्ट्रपति– रक्षा मंत्री की क्या सोच?

रक्षा मंत्री पद के लिए डोनाल्ड ट्रंप की पसंद पीट हेगसेथ को भी ट्रांसजेंडर्स को लेकर कड़े रुख के लिए जाना जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हेगसेथ एक मौके पर तर्क दे चुके हैं कि अमेरिकी सेना में महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स की भर्ती की वजह से अमेरिकी सुरक्षा का स्तर कमजोर हो रहा है। इसके अलावा अमेरिका के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वैंस भी ट्रांसजेंडर्स को लेकर ऐसा ही रुख रखते हैं। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि कुछ श्वेत बच्चों को ट्रांस बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वह अच्छे कॉलेज में एडमिशन पा सकें।

संक्षिप्त

ब्रिटेन में पिछले सप्ताह तीन सैन्य ठिकानों के पास ड्रोन देखे गएरू अमेरिकी वायुसेना

वाशिंगटन। अमेरिकी वायुसेना ने कहा कि पिछले सप्ताह पूर्वी इंग्लैंड में स्थित वायु सेना के उन तीन ठिकानों के आसपास कई छोटे ड्रोन देखे गए जिनका इस्तेमाल अमेरिकी

सेना करती है। अमेरिकी वायुसेना यूरोप ने एक बयान में कहा कि बुधवार और शुक्रवार के बीच आरएएफ लैकेनहीथ, आरएएफ मिल्डेनहॉल और औरएएफ फेल्टवेल के पास ड्रोन देखे गए। इसमें कहा गया है कि तीनों सैन्य ठिकानों के आसपास और ऊपर ड्रोन देखे जाने के बाद उन पर सक्रिय रूप से नजर रखी गई। वायुसेना ने हालांकि, यह नहीं बताया कि घुसपैठ के पीछे कौन था, लेकिन कहा कि वायुसेना अड्डे के अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि इससे यहां के लोगों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। लैकेनहीथ में 48वें 'फाइटर विंग' स्थित है, जिसे अमेरिकी वायुसेना यूरोप में अपनी लड़ाकू क्षमता का आधार बताती है। मिल्डेनहॉल में 100वां एयर रिफ्यूलिंग विंग है, और फेल्टवेल आवास, स्कूलों और अन्य सेवाओं का केंद्र है।

कैलिफोर्निया में 5 नवंबर से हो रही वोटों की गिनती, भारत में एक दिन में परिणाम, ईवीएम पर सवाल उठाने वालों को मस्क ने दिया तगड़ा जवाब

चुनाव ने सोशल मीडिया एक्स के सीईओ एलन मस्क को

भी हैरान कर दिया है। हैरानी की वजह वोट जिहाद या महाराष्ट्र में बीजेपी की बड़ी जीत नहीं है। हैरानी की वजह भारत की सुपरफास्ट चुनावी प्रक्रिया है। एलन मस्क ने भारत की तेज चुनावी प्रक्रिया की जमकर तारीफ की है। इसके साथ ही मस्क ने अमेरिकी राज्यों में हो रही मतगणना और इलेक्शन सिस्टम पर तंज भी कसा है। ट्रंप ने एक्स पर लिखा है कि भारत ने एक दिन में 64 करोड़ वोटों की गिनती कर ली। जबकि कैलिफोर्निया में अभी भी वोटों की गिनती जारी है। कैलिफोर्निया स्टेट की कुल आबादी करीब 3.9 करोड़ है। आपको बता दें कि पांच नवंबर को कैलिफोर्निया में मतदान हुआ था। 24 नवंबर तक 5.70 लाख मतपत्रों की गिनती हो पाई है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराकर 2024 का अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीता। यह जीत 2020 में अपनी हार के बाद ट्रम्प के लिए व्हाइट हाउस में वापसी का प्रतीक है। अपने उद्घाटन के बाद, राष्ट्रपति ट्रम्प ने एलोन मस्क को नवगठित सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया। कैलिफोर्निया, जिसकी आबादी लगभग 39 मिलियन है, संयुक्त राज्य अमेरिका में सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। वहीं आंकड़ों के मुताबिक इस साल की चुनावी प्रक्रिया में करीब 1.6 करोड़ लोगों ने हिस्सा लिया. चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि चुनाव कराने में कई सप्ताह लग सकते हैं जैसा कि 2020 में हुआ था। कैलिफोर्निया की मतपत्र प्रक्रिया मुख्य रूप से मेल–इन वोटिंग पर केन्द्रित है, जिसे संसाधित करने के लिए व्यक्तिगत मतदान की तुलना में अधिक समय और प्रयास की आवश्यकता होती है।

समुद्र तट पर आ गई 30 से अधिक व्हेल मछलियों को बचाया गया

न्यूजीलैंड के एक समुद्र तट पर आ गईं 30 से अधिक व्हेल मछलियों को संरक्षण कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने चादरों की मदद से समुद्र में वापस छोड़ दिया।न्यूजीलैंड की संरक्षण एजेंसी ने यह जानकारी देते हुए बताया किचार व्हेल मछलियों की मौत हो गई। न्यूजीलैंड में अक्सर व्हेल मछलियां तटीय हिस्सों में आ जाती हैं और यहां विशेष रूप से 'पायलट' प्रजाति की व्हेल मछलियां बहुत अधिक संख्या में किनारे आती हैं। संरक्षण विभाग ने बताया कि न्यूजीलैंड के उत्तर में वांगरेई शहर के पास रुआकाका बीच में रविवार को बचाई गई व्हेल मछलियां दोबारा तटीय भाग में न आ जाएं, यह सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को एक टीम ने वहां निगरानी की। व्हेल मछलियों को बचाने में मदद करने के लिए सैकड़ों लोगों द्वारा किए गए प्रयासों की जमकर सराहना हुई। संरक्षण विभाग के प्रवक्ता जोएल लॉटरबैक ने एक बयान में कहा, ''लोगों ने इन शानदार मछलियों के प्रति जो करुणा दिखाई है, वह अभिभूत करने वाली है।'' सोमवार को आयोजित माओरी सांस्कृतिक समारोह के दौरान तीन वयस्क व्हेल और एक नन्हीं व्हेल की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

अमेरिका में गोलीबारी की घटनाओं ने बढ़ाई चिंता अब मैक्सिको के बार में ताबड़तोड़ फायरिंग, छह की मौत

मैक्सिको। एक समय में क्वेरेटारो को मैक्सिको के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक माना जाता था, लेकिन अब यहां हिंसा बढ़ती जा रही है। आलम यह है कि बढ़ती हिंसा के कारण इस साल जनवरी से अक्तूबर के बीच ताबैस्को में 715 हत्याएं हुई हैं। दक्षिण–पूर्वी मैक्सिको के एक बार में रविवार तड़के बंदूकधारियों ने गोलीबारी कर दी। इससे कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने जानकारी दी कि गोलीबारी की यह घटना तटीय प्रांत ताबास्को के विलेहरमोला शहर में हुई, जो हाल में बढ़ती हिंसा से जूझ रहा है। अब तक इस मामले में ना तो किसी को गिरफ्तार किया गया है और ना ही गोलीबारी के पीछे के कारणों का पता चल सका है। राज्य के उप अभियोजक गिल्बर्टो मेलक्विएड्स ने कहा कि हथियारबंद लोग किसी खास व्यक्ति की तलाश में बार में घुसे थे। मगर, गोलियां आसपास मौजूद लोगों को भी लग गईं। यह घटना डीबार नाम के बार में हुई। घटना में पांच लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल ले जाने के बाद चोटों के कारण दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घायल हुए लोगों में से पांच व्यक्तियों की पहचान कर ली गई है। लोक सुरक्षा सचिव उमर गार्सिया हार्फुच ने कहा कि गोलीबारी विलेहरमोसा में हुई और संघीय अधिकारी घटना को सुलझाने में मदद करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अब तक किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है और यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोलीबारी किस कारण से की गई। इससे पहले नवंबर में मध्य मैक्सिकन शहर क्वेरेटारो में बंदूकधारियों ने एक बार पर हमला कर 10 लोगों की हत्या कर दी थीष क्वेरेटारो के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के प्रमुख जुआन लुइस फेरुस्का के अनुसार, हमलावरों ने शहर के ऐतिहासिक जिले में लॉस कैंटारिटोस बार के अंदर गोलीबारी की थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में बताया गया था कि हथियारों से लैस कम से कम 4 लोग एक पिकअप ट्रक पर सवार होकर आए थे और फिर उन्होंने हत्याकांड को अंजाम दिया था। एक समय में क्वेरेटारो को मैक्सिको के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक माना जाता था, लेकिन अब यहां हिंसा बढ़ती जा रही है। आलम यह है कि बढ़ती हिंसा के कारण इस साल जनवरी से अक्तूबर के बीच ताबैस्को में 715 हत्याएं हुईं, जबकि 2023 में कुल 253 हत्याएं हुई थीं।

ब्रिटेन में सरकार बनाने के चार महीने के अंदर ही घिर गई लेबर पार्टी

लंदन। गाइडलाइंस के मुताबिक, इस तरह की ऑनलाइन पिटीशन में अगर किसी कानून या नीति में बदलाव की मांग की जाती है तो सरकार इस पर 10 हजार साइन–अप के बाद अधिकतर प्रतिक्रिया देती है। इतना ही नहीं अगर किसी पिटीशन को 1 लाख सिग्नेचर मिलते हैं तो इसके मुद्दे पर संसद में बहस भी की जाती है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद दुनियाभर में उथल–पुथल का दौर जारी है। जर्मनी में सरकार गिरने के बाद अब ब्रिटेन में भी सरकार पर खतरा पैदा होता दिख रहा है। दरअसल, यहां एक ऑनलाइन पिटीशन में लोगों ने फिर से चुनाव कराने की मांग की है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस पिटीशन को 17 लाख लोगों ने समर्थन दिया है। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने भी इस पिटीशन की सफलता को लेकर एक संदेश को रिपोस्ट किया है। गाइडलाइंस के मुताबिक, इस तरह की ऑनलाइन पिटीशन में अगर किसी कानून या नीति में बदलाव की मांग की जाती है तो सरकार इस पर 10 हजार साइन–अप के बाद अधिकतर प्रतिक्रिया देती है। इतना ही नहीं अगर किसी पिटीशन को 1 लाख सिग्नेचर मिलते हैं तो इसके मुद्दे पर संसद में बहस भी की जाती है।

इस पिटीशन को लेकर जानकारी में कहा गया है– मैं एक बार फिर आम चुनाव चाहता हूं। मुझे लगता है कि मौजूदा सरकार आम चुनाव के दौरान किए गए अपने वादों को निभाने में नाकाम रही है। इस पिटीशन पर 17,71,423 लोग हस्ताक्षर कर चुके हैं। इस पिटीशन को ब्रिटेन के एक पब संचालक माइकल वेस्टवुड

की तरफ से शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद भी नहीं थी कि इस पिटीशन की सफलता पर एलन मस्क कभी टिप्पणी करेंगे। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने जो पोस्ट शेयर किया है, उसमें कहा गया, आम चुनाव को लेकर पिटीशन ने ब्रिटेन में आधी रात के ठीक छह घंटे बाद 2 लाख हस्ताक्षर के लक्ष्य को तबाह कर दिया। इस पर मस्क ने कहा–वाह। इस बीच पिटीशन शुरू करने वाले वैगन्स एंड हॉर्सेज पब के मालिक वेस्टवुड ने कहा कि लेबर सरकार के काम उसके बिल्कुल उलट हैं, जैसे उन्होंने घोषणापत्र में वादे किए हैं। मुझे लगता है कि लोगों ने बहुत झेल लिया। लोगों ने हाल ही में अमेरिका में क्या हुआ, वह भी देखा और मुझे लगता है कि यह उसी का प्रभाव है। अगर लोग साथ खड़े हो जाएं और साथ वोट करें तो हम बदलाव ला सकते हैं।

बार में गोलीबारी से छह लोगों की मौत

मास्को। दक्षिण–पूर्वी मेक्सिको के एक बार में रविवार को बंदूकधारियों की गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम पांच अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। गोलीबारी की यह घटना तटीय प्रांत ताबास्को में

हुई, जो हाल में बढ़ती हिंसा से जूझ रहा है। लोक सुरक्षा सचिव उमर गार्सिया हार्फुच ने 'एक्स' पर कहा कि गोलीबारी विलेहरमोसा में हुई और संघीय अधिकारी घटना को सुलझाने में मदद करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अब तक किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है और यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोलीबारी किस कारण से की गई।

हिंद महासागर में दो नौकाओं के पलट जाने से 24 लोगों की मौत: सोमालिया सरकार

हिंद महासागर में मेडागास्कर तट के पास दो नौकाओं के पलट जाने से 24 लोगों की मौत हो गई। सोमालिया सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। सोमालिया के विदेश मंत्री अहमद मोआलिम फिकी ने कहा कि 46 लोगों को बचा लिया गया है। अधिकांश यात्री सोमालिया के युवा थे। इथियोपिया में सोमालिया के राजदूत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल नौकाओं के पलट जाने घटना की जांच करने लिए सोमवार को मेडागास्कर जाएगा।

जी7 सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की इटली में बैठक

दुनिया के अग्रणी औद्योगिक देशों के विदेश मंत्री सोमवार को बैठक कर रहे हैं, जबकि यूक्रेन और पश्चिम एशिया में युद्ध निर्णायक चरण में पहुंच चुके हैं तथा नए अमेरिका के नए प्रशासन के कार्यभार संभालने से पहले कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाने का दबाव भी है। रोम के बाहर हो रही समूह–सात की बैठक के एजेंडे में गाजा और लेबनान में युद्ध विराम कराने की उम्मीदें सबसे प्रमुख हैं। बैठक में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका के मंत्री शामिल हो रहे हैं। दो दिवसीय बैठक के पहले दिन सोमवार को जी–7 में सऊदी अरब, मिस्र, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात और कतर के मंत्री तथा अरब लीग के महासचिव शामिल होंगे। इटली के विदेश मंत्रालय ने कहा, ''भागीदारों के साथ गाजा और लेबनान में युद्ध विराम तक पहुंचने के प्रयासों का समर्थन करने के तरीकों, आबादी का समर्थन करने की पहल और क्षेत्र में स्थिरता के लिए एक विश्वसनीय राजनीतिक क्षितिज को बढ़ावा देने पर चर्चा की जाएगी।'' मेजबान देश इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, उनके पूर्व रक्षा मंत्री और हमास के सैन्य प्रमुख के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के बाद पिछले सप्ताह जी7 एजेंडे में एक और विषय जोड़ा। इटली समूह का संस्थापक सदस्य है और 1998 में अस्तित्व में आए समूह के लिए रोम सम्मेलन की मेजबानी भी इसी ने की थी। इटली की दक्षिणपंथी सरकार सात अक्टूबर को हमास के हमलों के बाद से इजराइल का प्रबल समर्थन कर रही है, साथ ही गाजा में फलस्तीनियों को मानवीय सहायता भी प्रदान कर रही है। इतालवी सरकार ने सतर्कतापूर्ण रुख अपनाया है, अदालत के प्रति अपने समर्थन और सम्मान की पुष्टि की है। हालांकि उसने चिंता व्यक्त करते हुए वारंट को राजनीति से प्रेरित बताया। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान को दोहराते हुए कहा, ''इजराइल राष्ट्र की जिम्मेदारियों और आतंकवादी संगठन हमास के बीच कोई समानता नहीं हो सकती है।

हिजबुल्ला ने इजराइल पर करीब 250 रश्वकेट दागे, सात लोग घायल

चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला ने रविवार को इजराइल पर लगभग 250 रॉकेट और अन्य हथियारों से हमला किया जिससे कम से कम सात लोग घायल हो गए। यह हिजबुल्ला का पिछले कई महीनों में किया गया सबसे भीषण हमला है क्योंकि कुछ रॉकेट इजराइल के मध्य में स्थित तेल अवीव क्षेत्र तक पहुंच गए। इजराइल की मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा ने कहा कि उसने हिजबुल्ला द्वारा इजराइल पर दागे गए हमलों में घायल हुए सात लोगों का इलाज किया। युद्ध विराम के लिए वार्ताकारों की ओर से दबाव बनाए जाने के बीच हिजबुल्ला ने ये हमले बेरूत में घातक इजराइली हमले के जवाब में किये। इसी बीच लेबनान की सेना ने कहा कि इजराइल के हमले में रविवार को लेबनान के एक सैनिक की मौत हो गई जबकि 18 अन्य घायल हो गए। इस घटना पर इजराइल की सेना ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमला हिजबुल्ला के विरुद्ध युद्ध क्षेत्र में किया गया और सेना का अभियान केवल चरमपंथियों के विरुद्ध हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।